पलाश के फूलों ने संदेश दिया ... होली आ रही है...

दिव्य आकाश

सुविचार
छोटी-छोटी खुशियां तो हैं,
जो जीने का सहारा बनती हैं...

कोरबा से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

वर्ष-14, अंक -48 | फाल्गुन शुक्ल पक्ष षष्ठी, विक्रम संवत् 2080 कोरबा, शुक्रवार दिनांक 15 से 21 मार्च 2024 | पृष्ठ-8 मूल्य ₹ 3.00

ममता बनर्जी के माथे पर लगी गंभीर चोट

कोलकाता (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी (70 साल) घर में गिरने से गंभीर रूप से चोटिल हो गई हैं। टीएमसी ने बताया कि उनके माथे पर गंभीर और गहरी चोट आई है। उधर मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ममता गुरुवार को कालीघाट स्थित अपने घर में टहल रही थीं। तभी वह गिर गईं। मुंह के बल गिरने के कारण उनके माथे पर चोट लगी है। मौके पर मौजूद स्टाफ उन्हें घर के अंदर ले गया। इसके बाद भतीजा अभिषेक बनर्जी उन्हें अस्पताल ले गए। हादसे की वजह अब तक साफ नहीं हुई है।

लोकसभा चुनाव से पहले देशभर में पेट्रोल और डीजल 2 रुपए सस्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)।

लोकसभा चुनाव से पहले देशभर में गुरुवार को पेट्रोल-डीजल 2 रुपए सस्ता हो गया। इससे पहले आज ही राजस्थान सरकार ने अपने राज्य में डीजल-पेट्रोल पर 2 प्रतिशत वेट कम किया था।

10 रुपए प्रति लीटर कमाई कर रही तेल कंपनियां

रिपोर्ट के अनुसार ऑयल मार्केटिंग कंपनियां पेट्रोल और डीजल पर फिलहाल करीब 10 रुपए प्रति लीटर कमाई कर रही हैं जिसे वो ग्राहकों को पास कर सकती है। तेल कंपनियों ने आखिरी बार अप्रैल 2022 में पेट्रोल-डीजल के दाम घटाए थे।

अभी देश के ज्यादातर हिस्से में पेट्रोल 100 रुपए और डीजल 90 रुपए प्रति लीटर से ऊपर बने हुए हैं। पेट्रोल-डीजल के दामों को कम करने का कदम महंगाई को कम करने में मदद कर सकता है और 2024 के आम चुनावों से पहले महत्वपूर्ण हो सकता है।

मस्क के रॉकेट का तीसरा टेस्ट करीब-करीब सक्सेसफुल

सबसे ताकतवर रॉकेट को अंतरिक्ष में भेजा, लेकिन पृथ्वी के वातावरण में रीएंट्री पर संपर्क टूटा

टेक्सास (एजेंसी)।

दुनिया के सबसे ताकतवर रॉकेट स्टारशिप का तीसरा टेस्ट करीब-करीब सक्सेसफुल रहा। इसे 14 मार्च को शाम 6:55 बजे टेक्सास के बोका चिका से लॉन्च किया गया था। स्टारशिप को स्पेस में ले जाने के बाद 7.59 बजे हिंद महासागर में लैंड करना था, लेकिन पृथ्वी के वातावरण में रीएंट्री के बाद जब रॉकेट 65 Km ऊपर था तब उसका संपर्क टूट गया। दुनिया के तीसरे सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने इस रॉकेट को बनाया है। स्टारशिप स्पेसक्राफ्ट और सुपर हैवी रॉकेट को कलेक्टिवली स्टारशिप कहा जाता है। इस व्हीकल की ऊंचाई 397 फीट है। ये पूरी तरह से रीयूजेबल है और 150 मीट्रिक टन भार ले जाने में सक्षम है। स्टारशिप सिस्टम 100 लोगों को एक साथ मंगल ग्रह पर ले जा सकेगा। स्टारशिप को शाम 6:55 बजे टेक्सास के बोका चिका से लॉन्च किया गया।

बूस्टर और स्टारशिप लॉन्चिंग के 2 मिनट 44 सेकेंड बाद अलग हुए

स्टारशिप स्पेसक्राफ्ट और सुपर हैवी रॉकेट को कलेक्टिवली स्टारशिप कहा जाता है।

ज्ञानेश कुमार और सुखबीर संधू बने चुनाव आयुक्त

नोटिफिकेशन जारी नेता विपक्ष अधीर रंजन ने आज सुबह मीटिंग के बाद ही बता दिया था

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पूर्व IAS अफसर ज्ञानेश कुमार और सुखबीर संधू चुनाव आयोग में नए चुनाव आयुक्त होंगे। केंद्र सरकार ने गुरुवार शाम को नोटिफिकेशन जारी किया।

आज सुबह इनकी नियुक्ति को लेकर प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाले पैनल ने बैठक की थी। इसके बाद नेता विपक्ष अधीर रंजन ने इनके नामों के तय होने की संभावना जताई थी। शाम को नोटिफिकेशन में दोनों के नाम थे। सुखबीर उत्तराखंड के चीफ सेक्रेटरी और NHAI के चेयरमैन रह चुके हैं। ज्ञानेश कुमार 1988 बैच के केरल कैडर के IAS अफसर

सुखबीर संधू

ज्ञानेश कुमार

हैं। वे गृह मंत्रालय में रह चुके हैं। धारा 370 पर फैसले के वक्त गृह मंत्रालय में पोस्टेड थे। सहकारिता मंत्रालय में सचिव पद से रिटायर हुए हैं।

अधीर रंजन का आरोप- कल रात 212 की लिस्ट सौंपी थी

अधीर रंजन ने नियुक्ति प्रक्रिया पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा- मीटिंग शुरू होने के 10 मिनट पहले 6 नाम मेरे पास आए। मुझे सुखबीर सिंह संधू, ज्ञानेश कुमार, उत्पल कुमार सिंह, प्रदीप कुमार त्रिपाठी, इंदीवर पांडे और गंगाधर राहत के नाम सौंपे गए थे। मैंने कहा कि इनकी ईमानदारी और तजुर्बा जांचना मेरे लिए असंभव है। मैं इस प्रक्रिया का विरोध करता हूं। ये होना ही था। ये औपचारिकता है। इस कमेटी में चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया को रखना चाहिए। अगर CJI होते तो बात अलग थी। कल रात मैं दिल्ली आया, तब मुझे 212 लोगों की लिस्ट सौंपी गई थी। इतने कम समय में सभी का प्रोफाइल जांचना असंभव था।

यूएन ने भी लगाई मोदी सरकार के विकास पर मुहर

भारत में प्रति व्यक्ति आय बढ़ने के साथ लैंगिक असमानता सूचकांक हुआ बेहतर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र के मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) पर भारत की रैंकिंग 2022 में एक स्थान सुधरकर 193 देशों में 134वें स्थान पर पहुंच गई, जबकि 2021 में 191 देशों में से यह 135वें स्थान पर थी। लैंगिक असमानता सूचकांक (जीआईआई), 2022 में भारत 0.437 स्कोर के साथ 193 देशों में 108वें स्थान पर है। जीआईआई-2021 में 0.490 स्कोर के साथ 191 देशों में भारत 122वें पायदान पर था।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने कहा कि जीआईआई-2021 की तुलना में भारत ने जीआईआई-2022 में 14 पायदान का सुधार किया है। हालांकि, देश की श्रम बल भागीदारी दर में सबसे बड़ा लैंगिक अंतर भी है, जो कि महिलाओं (28.3 प्रतिशत) और पुरुषों (76.1 प्रतिशत) के बीच 47.8 प्रतिशत है। हाल में जारी मानव विकास रिपोर्ट (एचडीआर) 2023-24 में कहा गया है कि एचडीआई में सुधार के बाद 2022 में भारत 193 देशों में 134वें स्थान पर रहा है। 2022 में भारत का एचडीआई स्तर सुधरकर 0.644 रहा जबकि 2021 में यह 0.633 था।

यह आंकड़ा संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) की रिपोर्ट 'ब्रेकिंग द ग्रिडलॉक- रीइमेजिनिंग कोऑपरेशन इन ए पोलराइज्ड वर्ल्ड में प्रकाशित किया गया है। वर्ष 2022 में, भारत ने सभी एचडीआई संकेतकों में सुधार देखा, जिनमें जीवन प्रत्याशा, शिक्षा और प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय (जीएनआई) में सुधार दर्ज किया गया। इसी के तहत, जीवन प्रत्याशा 67.2 से बढ़कर 67.7 वर्ष हो गई जबकि प्रति व्यक्ति जीएनआई 6,542 अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 6,951 अमेरिकी डॉलर हो गई। रिपोर्ट में कहा गया, "भारत में पिछले कुछ वर्षों में मानव विकास में उल्लेखनीय प्रगति देखी गई है। 1990 के बाद से, जन्म के समय जीवन प्रत्याशा 9.1 वर्ष बढ़ गई है, स्कूली शिक्षा के अपेक्षित वर्ष में 4.6 वर्ष का जबकि स्कूली शिक्षा के औसत वर्ष में 3.8 वर्ष का इजाफा हुआ है। भारत की प्रति व्यक्ति जीएनआई लगभग 287 प्रतिशत बढ़ी है। इसमें कहा गया, "प्रजनन स्वास्थ्य में भारत का प्रदर्शन मध्यम मानव विकास समूह या दक्षिण एशिया के अन्य देशों की तुलना में बेहतर है। मंत्रालय ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में, जीआईआई में भारत की रैंक लगातार बेहतर हुई है, जो देश में लैंगिक समानता हासिल करने में प्रगतिशील सुधार का संकेत देती है। 2014 में यह रैंक 127 थी, जो अब 108 हो गई है।

पेटीएम को मिला लाइसेंस

थर्ड पार्टी के जरिए कर सकेंगे भुगतान

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पेमेंट यूजर्स के लिए बड़ी खबर सामने आई है। दरअसल, पेटीएम बैंक यूज करने वाले यूजर्स अब अन्य विकल्पों के जरिए भुगतान कर सकेंगे। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने एक बयान में कहा कि एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, भारतीय स्टेट बैंक और यस बैंक पेटीएम के लिए भुगतान प्रणाली प्रदाता बैंकों के रूप में कार्य करेंगे। यस बैंक पेटीएम से जुड़े मौजूदा और नए यूपीआई व्यापारियों दोनों के लिए व्यापारी अधिग्रहण बैंक के रूप में भी काम करेगा। इस परिवर्तन के हिस्से के रूप में, @Paytm हैंडल को यस बैंक पर पुनर्निर्देशित किया जाएगा, जिससे मौजूदा उपयोगकर्ताओं और व्यापारियों के लिए निर्बाध यूपीआई लेनदेन और ऑटोपे जनादेश सुनिश्चित होगा।

ओसीएल को निर्देश दिया गया है कि वह अपने उपयोगकर्ताओं और व्यापारियों के लिए सुचारु परिवर्तन सुनिश्चित करने के लिए सभी मौजूदा हैंडल और मैंडेट को नए पीएसपी बैंकों में तेजी से स्थानांतरित करे। यह विकास पेटीएम के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, क्योंकि यह अपने ग्राहकों के लिए डिजिटल लेनदेन की सुविधा और दक्षता बढ़ाने के लक्ष्य के साथ प्रमुख बैंकिंग भागीदारों के सहयोग से अपनी यूपीआई सेवाओं का विस्तार करता है।

एक देश, एक चुनाव : कोविंद कमेटी ने राष्ट्रपति को रिपोर्ट सौंपी

कांग्रेस समेत 4 पार्टियां विरोध में, हाईकोर्ट के 3 पूर्व मुख्य न्यायाधीश भी इसके खिलाफ

नई दिल्ली (एजेंसी)।

वन नेशन वन इलेक्शन पर विचार के लिए बनाई गई पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली कमेटी ने गुरुवार (14 मार्च) को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपनी रिपोर्ट सौंप दी। यह 18,626 पन्नों की है। इसमें कहा गया है- पैनल का गठन 2 सितंबर 2023 को किया गया था। यह रिपोर्ट स्टेकहोल्डर्स-एक्सपर्ट्स से चर्चा के बाद 191 दिन की रिसर्च का नतीजा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, एक देश, एक चुनाव पर कमेटी ने 62 पार्टियों से संपर्क साधा था। इनमें से 47 ने जवाब दिया। 32 पार्टियो ने एकसाथ चुनाव कराने का समर्थन किया, 15 पार्टियों ने इसका विरोध किया और 15 पार्टियों ने इसका जवाब नहीं दिया। कांग्रेस, AAP, बसपा और CPI-M ने एक देश, एक चुनाव प्रस्ताव का विरोध किया, जबकि भाजपा और नेशनल पीपुल्स पार्टी ने समर्थन किया।

हाईकोर्ट के 9 पूर्व मुख्य न्यायाधीशों ने प्रस्ताव का समर्थन किया, जबकि HC के 3 मुख्य न्यायाधीशों ने एक देश, एक चुनाव के प्रस्ताव का विरोध किया।

रिपोर्ट के पेज नंबर 25 पर बताया गया है कि एक देश-एक चुनाव के लिए 47 में से 32 राजनीतिक दलों ने सहमति और 15 दलों ने असहमति दर्ज की है।

पैनल के सुझाव...

सभी राज्य विधानसभाओं का कार्यकाल अगले लोकसभा चुनाव यानी 2029 तक बढ़ाया जाए।

हंग असेंबली (किसी को बहुमत नहीं), नो कॉन्फिडेंस मोशन होने पर बाकी 5 साल के कार्यकाल के लिए नए सिरे से चुनाव कराए जा सकते हैं। पहले फेज में लोकसभा-विधानसभा चुनाव एक साथ कराए जा सकते हैं, उसके बाद दूसरे फेज में 100 दिनों के भीतर लोकल बॉडी के इलेक्शन कराए जा सकते हैं।

चुनाव आयोग लोकसभा, विधानसभा, स्थानीय निकाय चुनावों के लिए राज्य चुनाव अधिकारियों के परामर्श से सिंगल वोटर लिस्ट और वोटर आई कार्ड तैयार करेगा।

कोविंद पैनल ने एकसाथ चुनाव कराने के लिए उपकरणों, जनशक्ति और सुरक्षा बलों की एडवांस प्लानिंग की सिफारिश की है।

राज्यों की कौन सी पार्टियां विरोध या समर्थन में?

राज्य की पार्टियों में AIUDF, TMC, AIMIM, CPI, DMK, नगा पीपुल्स फ्रंट और समाजवादी पार्टी ने एक साथ चुनाव कराने के प्रस्ताव का विरोध किया। AIADMK, ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (AJSU), अपना दल (सोनी लाल), असम गण परिषद (AGP), बीजू जनता दल (BJD), लोक जनशक्ति पार्टी (आर), मिजो नेशनल फ्रंट, नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी, शिवसेना, जेडीयू, सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा, शिरोमणि अकाली दल और यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल ने प्रस्ताव का समर्थन किया।

विरोध में राजनीतिक दल ही नहीं, हाईकोर्ट के पूर्व जज भी शामिल

कोविंद कमेटी ने जो रिपोर्ट दी है उसमें यह भी बताया है कि किस-किस ने इसका विरोध किया है। 15 राजनीतिक दलों के अलावा 3 रिटायर्ड हाईकोर्ट के जजों के अलावा और एक पूर्व राज्य चुनाव आयुक्त भी शामिल थे।

इनमें दिल्ली HC के पूर्व चीफ जस्टिस अजीत प्रकाश शाह, कलकत्ता HC के पूर्व चीफ जस्टिस गिरीश चंद्र गुप्ता और मद्रास HC के पूर्व चीफ जस्टिस संजीब बनर्जी का नाम शामिल है। वहीं, तमिलनाडु के चुनाव आयुक्त वी पलानीकुमार ने भी एक देश एक चुनाव का विरोध किया।

इनके अलावा सुप्रीम कोर्ट के चार रिटायर्ड CJI जस्टिस दीपक मिश्रा, जस्टिस रंजन गोगोई, जस्टिस शरद अरविंद बोबडे और जस्टिस यूयू ललित एक साथ चुनाव कराने के पक्ष में थे।

कमेटी में 8 सदस्य, सितंबर 2023 में बनी थी

पूर्व राष्ट्रपति कोविंद की अगुआई में 8 मेंबर की कमेटी पिछले साल 2 सितंबर को बनी थी। 23 सितंबर 2023 को दिल्ली के जोधपुर ऑफिसर्स हॉस्टल में वन नेशन वन इलेक्शन कमेटी की पहली बैठक हुई थी। इसमें पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, गृह मंत्री अमित शाह और पूर्व सांसद गुलाम नबी आजाद समेत 8 मेंबर हैं। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल कमेटी के स्पेशल मेंबर बनाए गए हैं।

चुनाव आयोग ने इलेक्टोरल बॉन्ड का डेटा जारी किया, 763 पेजों की दो लिस्ट वेबसाइट पर अपलोड, SC ने 15 मार्च की डेडलाइन दी थी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

चुनाव आयोग ने गुरुवार (14 मार्च) को इलेक्टोरल बॉन्ड का सारा डेटा अपनी वेबसाइट पर जारी कर दिया। वेबसाइट में 763 पेजों की दो लिस्ट अपलोड की गई हैं। एक लिस्ट में बॉन्ड खरीदने वालों की जानकारी है। दूसरी में राजनीतिक दलों को मिले बॉन्ड की डिटेल है। सुप्रीम कोर्ट ने आयोग को 15 मार्च तक यह डेटा सार्वजनिक करने का आदेश दिया था।

इससे पहले स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के चेयरमैन दिनेश कुमार ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में एफिडेविट फाइल की। इसमें बताया गया कि सुप्रीम कोर्ट के 11 मार्च के निर्देश के मुताबिक इलेक्टोरल बॉन्ड से जुड़ी उपलब्ध जानकारी चुनाव आयोग को दे दी गई है।

एसबीआई चेयरमैन ने कहा- हमने ईसीआई को पेन ड्राइव में दो फाइलें दी हैं। एक फाइल में बॉन्ड खरीदने वालों की डिटेल्स हैं। इसमें बॉन्ड खरीदने की तारीख और रकम का जिक्र है। दूसरी फाइल में बॉन्ड इनकैश करने वाले राजनीतिक दलों की जानकारी है। लिफाफे में 2 पीडीएफ फाइल भी हैं। ये पीडीएफ फाइल पेन ड्राइव में भी रखी गई हैं, इन्हें खोलने के लिए जो पासवर्ड है, वो भी लिफाफे में दिया गया है।

एसबीआई के हलफनामे के अनुसार, एक अप्रैल 2019 से 15 फरवरी 2024 तक 22 हजार 217 इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदे गए। इनमें से 22,030 बॉन्ड का पैसा राजनीतिक पार्टियों ने कैश करा लिया है। पार्टियों ने 15 दिन की वैलिडिटी के भीतर 187 बॉन्ड को कैश नहीं किया, उसकी रकम प्रधानमंत्री राहत कोष में ट्रांसफर कर दी गई।

11 मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने बॉन्ड की जानकारी देने को कहा था

इलेक्टोरल बॉन्ड की जानकारी देने से जुड़े केस में एसबीआई की याचिका पर 11 मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने करीब 40 मिनट सुनवाई की थी। एसबीआई ने कोर्ट से कहा था- बॉन्ड से जुड़ी जानकारी देने में हमें कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन इसके लिए कुछ समय चाहिए। इस पर सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने पूछा- पिछली सुनवाई (15 फरवरी) से अब तक 26 दिनों में आपने क्या किया?

सुप्रीम कोर्ट की 5 जजों की संविधान पीठ ने फैसला सुनाते हुए कहा- एसबीआई 12 मार्च तक सारी जानकारी का खुलासा करे। इलेक्शन कमीशन सारी जानकारी को इकट्ठा कर 15 मार्च शाम 5 बजे तक इसे वेबसाइट पर पब्लिश करे।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट की 5 जजों की संविधान पीठ ने 15 फरवरी को इलेक्टोरल बॉन्ड की बिक्री पर रोक लगा दी थी। साथ ही एसबीआई को 12 अप्रैल 2019 से अब तक खरीदे गए इलेक्टोरल बॉन्ड की जानकारी 6 मार्च तक इलेक्शन कमीशन को देने का निर्देश दिया था।

3 माह में साय सरकार ने लिया 13000 करोड़ कर्ज, वित्तमंत्री बोले- भ्रष्टाचार रोकने बनेगी विजिलेंट टीम, ऑनलाइन होंगे विभाग

रायपुर (एजेंसी)।

छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार के 13 मार्च को 3 महीने पूरे हो गए। इसके अगले दिन गुरुवार को सरकार के 5 मंत्री सरकार का लेखा-जोखा लेकर जनता के सामने आए। दावा किया कि सरकार के 3 महीने का काम-काज कांग्रेस सरकार के पिछले 5 सालों पर भारी हैं। रायपुर में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में डिप्टी सीएम विजय शर्मा, वित्त मंत्री ओपी चौधरी, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, वन मंत्री केदार कश्यप और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल शामिल हुए। दूसरी तरफ कांग्रेस ने प्रदेश सरकार को हर मोर्चे पर फेल बताया है।

जितना कर्ज लिया, ज्ञान के तहत दिया

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कांग्रेस के आरोपों का जवाब भी दिया है। उन्होंने कहा कि, हमने जितना कर्ज लिया, उससे ज्यादा ज्ञान के तहत जनता को दे दिया। ज्ञान यानी गरीब, अन्नदाता, युवा और नारी जैसे वर्ग के लिए काम किया। कांग्रेस की मानसिकता यही रही कि उन्होंने अपनी जेबें भरने के लिए काम किया।

कांग्रेस नेता चाहें तो डिबेट कर लें

चौधरी ने कहा कि कांग्रेस के नेता भूपेश बघेल और नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत हमसे किसी भी जगह डिबेट कर लें, हम तैयार हैं। हम कांग्रेस से बेहतर स्थिति में प्रदेश को ले जा रहे हैं। 5 साल बाद यह प्रदेश कई गुना बेहतर आर्थिक स्थिति में होगा। हमारी सरकार की नीयत साफ है।

छत्तीसगढ़ की जीडीपी दोगुनी करके दिखाएंगे

उन्होंने कहा कि, कांग्रेस ने तो उलटी गंगा बहाने का प्रयास किया। जहां ऑनलाइन कामकाज होते थे, वहां ऑफलाइन कर भ्रष्टाचार किया। हम विजिलेंस के लिए टीम बना रहे हैं। विभागों को ऑनलाइन कर रहे हैं, पारदर्शी बना रहे हैं। इससे सरकार के पास पैसा आएगा। भ्रष्टाचार पर नकेल कसेगी। पूंजीगत व्यय पर हम अधिक फोकस कर रहे हैं।

महिषासुर मर्दिनी ट्रस्ट का चुनाव 16 मार्च को

कोरबा/पाली (दिव्य आकाश)।

कोरबा जिले के पाली विकासखण्ड के चैतुरगढ़ लाफा में स्थित मां महिषासुर मर्दिनी मंदिर के संचालन से संबंधित ट्रस्ट के पदाधिकारियों का चुनाव 16 मार्च को कराया जाएगा। उच्च न्यायालय बिलासपुर के द्वारा पारित आदेश एवं अध्यक्ष श्री आदिशक्ति मां महिषासुर मर्दिनी धार्मिक एवं जनकल्याण ट्रस्ट चैतुरगढ़ लाफा द्वारा आम चुनाव कराए जाने के निवेदन पर यह निर्वाचन कराया जा रहा है। अनुविभागीय अधिकारी (रा.) एवं पंजीयक लोक न्यास पाली सुश्री रुचि शार्दुल द्वारा 14 मार्च 2024 को निर्वाचित सदस्यों की पद अवधि समाप्त हो जाने पर 16 मार्च को दोपहर 1 बजे जनपद पंचायत पाली के सभाकक्ष में निर्वाचन कराया जाएगा।

LIC है तो कहीं और क्यों जाएं...?

एलआईसी कराएं... परिवार में सुख-समृद्धि पाएं

LIC
भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

आज ही बीमा कराएं अपने और अपने परिवार के भविष्य को सुरक्षित एवं बेहतर बनाएं

नई योजनाओं की जानकारी आज ही लें।

सालिक राजवाड़े (बीमा अभिकर्ता)

कार्पोरेट ऑफिस - वेदांत बीमा सेवा केंद्र

प्रेस क्लब के सामने, रिकाण्डो रोड टी.पी. नगर कोरबा

मो.नं.-90987-52955, 99262-57886

4 साल बाद छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों का सम्मान,राज्य खेल अलंकरण समारोह में दिए गए अवॉर्ड, सीएम साय बोले- प्रतिभाओं को निखारने प्रोत्साहन-सम्मान जरूरी

रायपुर (एजेंसी)।

छत्तीसगढ़ सरकार आज (14 मार्च) खिलाड़ियों को सम्मानित कर रही है। रायपुर के दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में 4 साल बाद स्टेट लेवल अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया है। अलग-अलग स्पोर्ट्स इवेंट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 133 खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। 411 खिलाड़ियों को प्रोत्साहन राशि भी मिली।

सीएम विष्णुदेव साय और विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने समारोह की शुरुआत की। मंच पर मंत्री टंकराम वर्मा, रामविचार नेताम, सांसद सुनील सोनी समेत कई नेता मौजूद हैं। इस समारोह में पदक विजेता चयनित खिलाड़ियों और टीमों को शहीद राजीव पांडे पुरस्कार, कौशल यादव पुरस्कार, शहीद पंकज विक्रम सम्मान और मुख्यमंत्री ट्रॉफी से पुरस्कृत किया गया।

खिलाड़ियों को मिला सम्मान

शहीद राजीव पांडेय पुरस्कार, राजनांदगांव के वेट लिफ्टर जगदीश को दिया गया। उन्हें तीन लाख की राशि का चेक भी सौंपा गया। इसके साथ ही हैंडबॉल खिलाड़ी महासमुंद की कुमारी सोनिया, फेंसिंग में दुर्ग की निवेदिता कौशिक, सॉफ्ट बॉल खिलाड़ी रायपुर के किशन महानंद, साइकिल पोलो के लिए दुर्ग के आदित्य कुर्रे और व्हीलचेयर फेंसिंग के लिए मुंगेली के महेंद्र साहू को सम्मानित किया गया।

शहीदों को अगली पीढ़ी याद करती रहे, इसके लिए आयोजन

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शहीदों के परिजन का स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि 5 साल बाद राज्य खेल अलंकरण समारोह फिर से शुरू हुआ है। इस मौके पर मैं सभी खिलाड़ियों को बधाई देता हूं। हमारे

छत्तीसगढ़ के शहीदों को अगली पीढ़ी याद करती रहे, इसके लिए डॉ रमन सिंह ने इस समारोह की शुरुआत की थी।

प्रतिभाओं को निखारने के लिए प्रोत्साहन और सम्मान जरूरी

साय ने कहा कि हर प्रतिभा समाज के विकास में योगदान देती है। प्रतिभाओं को निखारने के लिए प्रोत्साहन और सम्मान जरूरी है। इसीलिए हम सब यहां एकत्र हुए हैं। उन शहीदों को भी नमन जिनके नाम पर खिलाड़ियों को पुरस्कार दिया जाता है। डॉ रमन सिंह जी ने अपने कार्यकाल में खेलों को काफी बढ़ावा दिया। कार्यक्रम में विधानसभा स्पीकर रमन सिंह, सीएम साय और सीनियर नेता मौजूद रहे।

नवा रायपुर के क्रिकेट स्टेडियम की होती है तारीफ

मैंने हाल ही में दो खिलाड़ियों से मुलाकात की थी, सौरव गांगुली और आजिंक्य रहाणे से। इन लोगों ने क्रिकेट स्टेडियम की काफी तारीफ की। इस स्टेडियम का निर्माण डॉ रमन के कार्यकाल में ही हुआ। जब से मोदी जी प्रधानमंत्री बने हैं तब से खिलाड़ी ज्यादा मेडल जीत रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए जो भी जरूरी होगा, सरकार मुहैया कराएगी। इसमें कोई कोताही नहीं बरती जाएगी।

उत्कृष्ट खिलाड़ियों की सूची भी जल्द ही जारी करेंगे

समारोह को संबोधित करते हुए खेल मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि हम उत्कृष्ट खिलाड़ियों की सूची भी जल्द ही जारी करेंगे। उन्होंने कहा कि विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को सभी को मिलकर साकार करना है। हमें अपने युवा खिलाड़ियों पर पूरा भरोसा है।

मंत्री ने कहा कि खेल अलंकरण की शुरुआत रमन सिंह जी के शासनकाल में ही हुई। रमन सिंह जी ने हमने बनाया, हम ही संवारेंगे के वाक्य को शुरू से ही चरितार्थ किया है। मंत्री वर्मा ने इस दौरान अगले सत्र से क्रीड़ा प्रोत्साहन योजना शुरू करने का ऐलान किया है।

शहीदों के परिजनों का सम्मान

कार्यक्रम के दौरान शहीदों के परिजन भी मौजूद रहे। इस दौरान सीएम साय और डॉ रमन सिंह ने शहीद विनोद चौबे की पत्नी रंजना चौबे और शहीद कौशल यादव की मां को सम्मानित किया।

आधुनिक खेल उपकरण और ट्रेनर

इसी तरह 31 खेलो इंडिया सेंटर के साथ ही भारत सरकार ने राज्य के बिलासपुर में भी तीन खेलों हॉकी, एथलेटिक्स और तीरंदाजी के लिए खेलो इंडिया एक्सीलेंस सेंटर को स्वीकृति दी है। इसमें खिलाड़ियों के लिए आधुनिक खेल उपकरण और प्रशिक्षण के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षक, फिजियोथेरेपिस्ट की सुविधा उपलब्ध रहेगी। इसके लिए वित्तीय सहायता दी जा रही है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार करने में मदद मिलेगी

खेलो इंडिया सेंटर्स में इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, उन्नयन कार्य, खेल उपकरण के लिए 5 लाख रुपए, खेल सामग्री और परिधान के लिए हर साल 2 लाख रुपए की वित्तीय सहायता भारत सरकार की ओर से मिलेगी। इसी तरह प्रशिक्षक को 25 हजार रुपए प्रतिमाह मानदेय दिया जाना शामिल है। इस योजना से राज्य में नवोदित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार करने में मदद मिलेगी।

प्रदेश में 31 खेलो इंडिया सेंटर

राज्य के नारायणपुर जिले में मलखम्भ, बीजापुर, दंतेवाड़ा, महासमुंद और बिलासपुर के शिवतराई में तीरंदाजी, गरियाबंद में वॉलीबॉल, सरगुजा, बलौदाबाजार, सुकमा, बलरामपुर, कोरबा, सूरजपुर, मुंगेली, सारंगढ़-बिलाईगढ़ और सक्ती में फुटबॉल, जशपुर, राजनांदगांव, जांजगीर-चांपा और बस्तर में हॉकी, बालोद और रायपुर में वेटलिफ्टिंग, कबीरधाम, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, बेमेतरा और दुर्ग के पाटन में कबड्डी, कांकेर में खो-खो, रायगढ़ और कोरिया में बैडमिंटन, धमतरी में कुश्ती और कोंडागांव में आर्चरी सेंटर स्थापित है।

पिछली सरकार ने युवकों का सम्मान नहीं किया

समारोह को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने आयोजन के लिए सरकार और खेल विभाग को बधाई दी। उन्होंने कहा कि खेल में भाषण का काम नहीं होता, लेकिन ये आयोजन जिन हालात में हुआ, इस आयोजन के लिए खिलाड़ियों ने संघर्ष किया, सड़क पर उतरे, मेडल लौटाने लगे।

उन्होंने कहा कि इसके लिए सरकार भी बदल दी। पिछली सरकार ने युवकों का सम्मान नहीं किया। इसलिए उन्होंने सरकार ही बदल डाली। यही वजह है कि खेल अलंकरण का महत्व बढ़ जाता है। जो खिलाड़ी आते हैं उनके लिए एक मंच है खेल अलंकरण समारोह।

2015 में जब ये योजना बनी तो अनुदान मिलने लगा। ब्लॉक से प्रदेश स्तर तक खिलाड़ियों को बढ़ावा दिया गया। इस दौरान कई हॉकी स्टेडियम का निर्माण हुआ। विष्णुदेव साय के मुख्यमंत्री बनने के बाद एक बार फिर से अलंकरण की

सागौन पेड़ों का बीमा कराने के नाम पर धोखाधड़ी,खुद को कंपनी का अधिकारी बताकर आरोपी ने किसान से ठगे 40 हजार रुपए

कोरबा/ जटगा।

कोरबा जिले में 250 सागौन के पेड़ों का बीमा कराकर अधिक लाभ कमाने का लालच देकर 40 हजार रुपए की धोखाधड़ी की गई है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला कटघोरा थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, जटगा पुलिस सहायता केन्द्र के पास रहने वाले किसान अनिल कुमार यादव के साथ ठगी की गई है। उसने बताया कि महाराणा प्रताप नगर के रहने वाले संजय कुमार साहू ने उसे फोन कर सागौन के पेड़ों की कटाई से संबंधित आवेदन के संबंध में चर्चा की। उसने पेड़ों का बीमा कराने का झांसा दिया।

बीमा के नाम पर ठगी

संजय साहू ने उसकी कंपनी से लोन लेने को कहा। उसने कहा कि उसकी कंपनी 20 से 22 लाख तक का लोन दे सकती है। जब सागौन पेड़ों की कटाई होगी, तो लोन लिए गए पैसों को काटकर बाकी रकम वापस कर दी जाएगी। इसके लिए कंपनी से एग्रीमेंट करना पड़ेगा।

इसके लिए पहले 250 सागौन पेड़ों का बीमा कराना पड़ेगा। इसके एवज में 98 हजार रुपए बीमा राशि तत्काल जमा करानी होगी।

5 साल बाद 68 लाख रुपए देने का दिया झांसा

इसके एवज में 5 साल बाद 68 लाख रुपए देने का झांसा किसान अनिल कुमार यादव को दिया गया। झांसे में आकर किसान ने 40 हजार रुपए गूगल पे के माध्यम से दे दिए। बाकी 58 हजार रुपए को कटघोरा बैंक से निकालकर देना था, लेकिन उससे पहले ही उसे कुछ शक हो गया और उसने थाने में शिकायत की। पीड़ित की शिकायत पर मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी के पास से मोबाइल और लग्जरी कार जब्त की गई है।

श्रद्धा महिला मण्डल के तत्वावधान में फ्रेण्डली क्रिकेट मैच 2024 सम्पन्न

कोरबा/ बिलासपुर (दिव्य आकाश)।

श्रीमती पूनम मिश्रा अध्यक्षा, श्रद्धा महिला मण्डल के मार्गदर्शन में एसईसीएल इंदिरा विहार स्पोर्ट्स ग्राऊण्ड में फ्रेण्डली क्रिकेट मैच 2024 का आयोजन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में एसईसीएल सीएमडी डा. प्रेम सागर मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में निदेशक (वित्त) जी. श्रीनिवासन, निदेशक तकनीकी (संचालन) एस.एन. कापरी, मुख्य सतर्कता अधिकारी एसईसीएल जयंत कुमार खमारी, श्रद्धा महिला मण्डल से श्रीमती राजी श्रीनिवासन, श्रीमती संगीता कापरी व श्रीमती सुजाता खमारी रहे। मैच में एसईसीएल मुख्यालय सहित विभिन्न क्षेत्रों की महिला खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। फाईनल मुकाबला मुख्यालय के उड़ान टीम बनाम एसईसीएल एरिया की ऊर्जा टीम के बीच रहा जिसमें मुख्यालय की उड़ान टीम ने 6 विकेट से जीत दर्ज की।

एसईसीएल इंदिरा विहार स्पोर्टस ग्राऊण्ड में सुबह की हल्की नमी के बीच मैच की शुरूआत बेहद शानदार रही। मुख्यालय की उड़ान टीम ने टास जीता और कप्तान सुजाता खमारी ने पहले फिल्डिंग करने का फैसला लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए एरिया की ऊर्जा टीम की ओर से स्नेहा ने सर्वाधिक 14 रन बनाए तथा 20 ओवरों में टीम ने 8 विकेट पर 69 रन का स्कोर खड़ा किया। उड़ान टीम की ओर सरीना अबीन मेथ्यूज ने बेहद कसी गेंदबाजी की तथा 2 ओवर में केवल 4 रन देते हुए 2 विकेट चटकाए वहीं मृदुला राम ने भी 2 विकेट लिए। मुख्यालय उड़ान टीम से ओपनिंग जोड़ी प्रेरणा भटनागर व रेहाना ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी से शुरूआत की, किंतु रेहाना के दूसरे ओवर में आऊट हो जाने से रनों की रफ्तार कम हुई। प्रेरणा भटनागर ने शानदार 27 रन बनाए तथा उन्हें मैन आफ दी मैच का पुरस्कार भी दिया गया। टीम उड़ान की कप्तान सुजाता खमारी ने फिल्डिंग और बालिंग में शानदार प्रदर्शन किया। उड़ान टीम ने 13वें ओवर में 6 विकेट से जीत दर्ज की। मैच में स्नेहा को बेस्ट बेट्समेन, मीना को श्रेष्ठ फिल्डर तथा सरीना अबीन मेथ्यूज को बेस्ट बालर का पुरस्कार दिया गया।

इस अवसर पर अपने सम्बोधन में एसईसीएल परिवार की प्रथम महिला तथा अध्यक्षा श्रद्धा महिला मण्डल श्रीमती पूनम मिश्रा ने कहा कि राष्ट्र की ऊर्जा की बुनियाद के रूप में एसईसीएल की पहचान में महिलाओं की भी महत्वपूर्ण भूमिका है, आज की महिलाएँ सक्षम और समर्थ हैं तथा उन्हें जरूर अपने सपनों को पूरा करने के लिए संघर्ष और मेहनत करनी चाहिए।

अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि एसईसीएल सीएमडी डा. प्रेम सागर मिश्रा ने कहा कि आज यहाँ जीत नारी शक्ति की हुई है, एसईसीएल की हुई है। उन्होंने दोनों टीमों के खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ देते हुए उत्साह बढ़ाया। मैच में अम्पायर का दायित्व छत्तीसगढ़ की पहली महिला अम्पायर सुजाता भगत व रिषभ सोनी ने निभाया, मैच के स्कोरर महेश मिश्रा रहे। मैच में शानदार कामेन्ट्री का दायित्व रजा परवेज ने निभाया।

नवनियुक्त कलेक्टर अमृत विकास तोपनो ने माँ चन्द्रहासिनी के दर्शन कर अपने कार्यों का विधिवत लिया दायित्व

सक्ती (दिव्य आकाश)।

सक्ती जिले के नवनियुक्त कलेक्टर अमृत विकास तोपनो ने आज पहले दिन सुबह की पहली किरण के साथ जिला मुख्यालय से निकलकर चंद्रपुर तहसील में विराजित माँ चन्द्रहासिनी के दर्शन कर उन्हें मिले जिले के दायित्व निर्वहन के पहले दिन का विधिवत शुभारंभ किया। इसके पश्चात कलेक्टर अमृत विकास तोपनो ने कलेक्टर कार्यालय कक्ष में पूर्व कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना की उपस्थिति में जिला कलेक्टर कार्यालय जेठा में अपना पदभार ग्रहण किया। कलेक्टर अमृत विकास तोपनो जिले में दूसरे कलेक्टर के रूप में नियुक्त हुए हैं। श्री तोपनो 2014 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। इससे पूर्व वे मुख्य कार्यपालन अधिकारी छत्तीसगढ़ राज्य जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन का पदभार संभाल रहे थे।

उल्लेखनीय है की नगर पंचायत चंद्रपुर में कोतरी नाला से महानदी पुल तक लगभग 1.80 किलो मीटर की सड़क गौरव पथ हेतु स्वीकृत है। जिसके निर्माण कार्य के लिए खदानों से निकलने वाली भारी वाहनों एवं कंपनियों से निकलने वाले भारी वाहन क्रमशः हायवा , ट्रेलर एवं ट्रक तथा अन्य भारी वाहन का मार्ग परिवर्तित किया गया है। गौरवपथ निर्माण के दौरान सुविधा व सुरक्षा को लेकर रायगढ़ मार्ग पर मार्ग परिवर्तित कर चंद्रपुर मे भारी वाहनो का प्रवेश प्रतिबंधित किया गया है। जिसका आज कलेक्टर ने चंद्रपुर तहसील के लात नाला तिराहा जाकर एवं निर्माणाधीन गौरवपथ सड़क का निरीक्षण भी किया। कलेक्टर ने उक्त निर्माण कार्य एवं परिवर्तित मार्ग की जानकारी लेते हुवे संबंधित अधिकारियो को आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान अपर कलेक्टर बीरेंद्र कुमार लकड़ा, जिला कोषालय अधिकारी दशरथ सोनी, खजांची अवनीश नामदेव, अनुविभागीय अधिकारी डभरा रूपेंद्र पटेल, डभरा तहसीलदार रवि राठौर, सक्ती तहसीलदार मनमोहन प्रताप, चंद्रपुर प्रभारी तहसीलदार अभिजीत राजभानु, जनपद पंचायत सीईओ सुश्री मरकाम, जनपद पंचायत चंद्रपुर मुख्य नगरपालिका अधिकारी रामसजीवन सोनवानी आदि उपस्थित थे।

247 युवक-युवती बंधे परिणय सूत्र में

कोरबा (दिव्य आकाश)।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत आज जिले के पोड़ी उपरोड़ा विकासखण्ड के पसान मिनी स्टेडियम मैदान में सामूहिक विवाह का आयोजन किया गया। योजनांतर्गत आज 247 वर-वधू के जोड़े दांपत्य सूत्र में बंधे और सुखमय जीवन का संकल्प लेकर एक नई जिंदगी की शुरूआत की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वाणिज्य उद्योग व श्रम मंत्री छत्तीसगढ़ शासन लखन लाल देवांगन शामिल हुए। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शिव कला छत्रपाल सिंह कंवर, जनपद अध्यक्ष पोड़ी उपरोड़ा श्रीमती संतोषी पेन्द्रों, ग्राम पंचायत पसान सरपंच श्रीमती विनीता देवी तंवर, अपर कलेक्टर अनुपम तिवारी, एसडीएम सरोज महिलांगे सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न समाज के पदाधिकारी व नागरिकगण बड़ी संख्या में वर-वधुओं को आशीर्वाद देने उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन सहित अन्य

अतिथियों ने सभी वर-वधुओं को सुखमय जीवन का आशीर्वाद दिया।

कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यह खुशी की बात है कि आज जिले में सामूहिक विवाह का आयोजन किया गया है, जिसमें वर वधुओं का सामाजिक, धार्मिक रीति-रिवाज का

केबिनेट मंत्री लखन ने दी नवदंपत्तियों को शुभकामनाएं

पालन करते हुए सामूहिक विवाह संपन्न कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह सौभाग्य है की बात है कि मां मातीन दाई के क्षेत्र में 247 जोड़ों का सामूहिक विवाह सम्पन्न हो रहा है और सभी जोड़ों को मातिन दाई के आशीर्वाद के साथ ही अपने माता पिता, परिवारजन सहित कार्यक्रम में उपस्थित विभिन्न समाज के लोगों, वरिष्ठजनों का शुभ आशीष मिल रहा है। उन्होंने परिणय सूत्र में बंधकर नव दाम्पत्य जीवन मे प्रवेश करने वाले वर-वधुओं के सुखमय जीवन की कामना करते हुए कहा कि आप सभी समाज के लिए प्रेरणा बनें एवं आदर्श जीवन यापन करें। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शिवकला कंवर ने सभी वर-वधुओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य एवं सुख समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा सामूहिक विवाह का आयोजन कर एक सार्थक योजना का भी क्रियान्वयन किया जा रहा है।

इस दौरान मुख्य अतिथि मंत्री श्री देवांगन सहित अन्य अतिथियों में नवदम्पतियों को अपना आशीर्वाद प्रदान करते हुए भेंट स्वरूप प्रोत्साहन राशि का चेक एवं उपहार सामाग्री प्रदान किया और सुखमय वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ महिला कोष अंतर्गत सिद्धि स्व सहायता समूह व मातिन दाई स्व सहायता समूह को 1-1 लाख रूपए का चेक भी प्रदान किया गया।

धूमधाम से निकली बारात

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत मिनी स्टेडियम पसान में आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम में 247 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। इससे पूर्व सामूहिक विवाह में महिला बाल एवं विकास विभाग द्वारा बैण्ड बाजे के साथ बारात निकाली गई और आतिशबाजी भी की गई। अधिकारियों द्वारा वर का तिलक लगाकर स्वागत किया गया एवं मंत्रोपचार के साथ विवाह सम्पन्न हुआ।

खून से लथपथ मिला युवक का शव,कनबेरी-कनकी मुख्य नहर पुल के पास की घटना

कोरबा।

कोरबा जिले के सर्वमंगला चौकी क्षेत्र के कनकी कनबेरी मुख्य मार्ग पर एक युवक की खून से लथपथ लाश मिली है। बुधवार रात किसी अज्ञान वाहन ने उसे टक्कर मार दी। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सिर पर गंभीर चोट के निशान हैं।

जिला अस्पताल चौकी प्रभारी दाऊद खुजुर ने बताया कि जिला मेडिकल कॉलेज से मिली सूचना के आधार पर डायल-112 की मदद से युवक को अस्पताल लाया गया था। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। अब तक युवक की पहचान नहीं हो पाई है। वहीं, आसपास गांव में कोटवार और सरपंच के माध्यम से मुनादी कराई जा रही है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि कनकी मार्ग पर भारी वाहनों को लेकर काफी दबाव है। इस क्षेत्र में कई गांव है, जिनका 24 घंटे आना-जाना है, लेकिन भारी वाहनों के चलते कई बार हादसे हो चुके हैं। इससे पहले भी कई लोगों की जान जा चुकी है।

इसे लेकर कई बार आंदोलन भी किया गया है, लेकिन उसके बावजूद भारी वाहनों का आवाजाही अब भी जारी है। जिसके चलते आए दिन हादसे होते रहते हैं। फिलहाल युवक के शव को जिला मेडिकल कॉलेज के शव कक्ष में रखा गया है। उसकी पहचान होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दिव्य आकाश

कोरबा से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

कोरबा, शुक्रवार दिनांक 15 से 21 मार्च 2024

सुविचार

जीवन मे ज्यादा रिश्ते होना ज़रूरी नहीं, लेकिन जो रिश्तें है उनमें जीवन होना ज्यादा जरूरी है।

सशक्त नारी, विकसित भारत है मोदी की गारंटी - डॉ सरोज पांडेय

बैकुंठपुर (दिव्य आकाश)।

कोरबा लोकसभा के बैकुंठपुर जिले में शहर के मानस भवन में मितानिन सम्मान समारोह के कार्यक्रम में बीजेपी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व लोकसभा प्रत्याशी डॉ सरोज पांडेय ने उपस्थित होकर सभी मितानिनों का सम्मान किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ सरोज पांडेय ने कहा कि उपस्थित सभी स्नेही बहनो के अपार स्नेह से अभिभूत हूँ। मातृशक्तियां सदैव वंदनीय है। उनके आशीर्वाद के बिना कोई भी कार्य संपन्न नहीं हो सकता। भाजपा सरकार व मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मोदी की गारंटी पूरी करते हुये सौ दिन के अंदर महतारी वंदन योजना को मूर्त रुप दिया। छत्तीसगढ़ की 70 लाख पात्र महिलाओं के खाते में 655 करोड़ रुपये ट्रांसफर हुये हैं। माता, बहनों, बेटियों को प्रत्येक माह 1000 रुपये नियमित मिलेंगे। उन्होंने कहा सशक्त नारी-विकसित भारत ही मोदी की गारंटी है। काफी संख्या में मितानिन उपस्थित थे।

राहुल गांधी ने त्र्यंबकेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना की

राहुल बोले- 5 गारंटियां आपकी सभी समस्याएं खत्म कर देंगी, स्वामीनाथन आयोग के तहत एमएसपी देंगे, स्थायी कृषि ऋण माफी आयोग बनाएंगे

नासिक (एजेंसी)।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा अंतिम दौर में पहुंच गई है। राहुल इस समय महाराष्ट्र में हैं। इसी दौरान 14 मार्च को राहुल ने अपने x अकाउंट पर 5 गारंटियां दीं। राहुल ने कहा कि स्वामीनाथन आयोग के तहत किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) देंगे। साथ ही स्थायी कृषि ऋण माफी आयोग बनाएंगे।

नासिक में राहुल बोले- किसानों की रक्षा करने वाली सरकार बनाएंगे

नासिक की कृषि उत्पन्न बाजार समिति में राहुल की सभा आयोजित की गई थी। इसमें एनसीपी प्रमुख शरद पवार, शिवसेना (उद्धव गुट) के नेता संजय राउत भी मौजूद रहे। राहुल ने कहा कि जब तक कोई व्यक्ति किसान के दुख को नहीं समझता, किसान की मेहनत की इज्जत नहीं करता, तब तक वह किसान की मदद नहीं कर सकता। हमारी सरकार के दरवाजे हमेशा आपके लिए खुले रहेंगे। आपको ये लगेगा कि दिल्ली में किसानों की रक्षा करने वाली सरकार है।

इस मौके पर संजय राउत ने कहा कि राहुल गांधी आम लोगों की बात सुनते हैं, उन पर अपनी बातें नहीं थोपते हैं। पहले हम कहते थे- इंदिरा गांधी आई हैं, नई रोशनी लाई हैं। आज के समय में भारत और महाराष्ट्र के लिए वह रोशनी राहुल गांधी हैं। सभा से पहले राहुल ने नासिक में रोड शो किया था। 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक त्र्यंबकेश्वर मंदिर में दर्शन किए। इससे पहले राहुल ने न्याय यात्रा के दौरान देवघर में बैद्यनाथ धाम, वाराणसी में काशी विश्वनाथ और उज्जैन में महाकाल के दर्शन किए थे।

17 को मुंबई में खत्म होगी

भारत जोड़ो न्याय यात्रा 14 जनवरी को मणिपुर से शुरू हुई थी। यात्रा का करीब 6700 किलोमीटर लंबा मार्च 15 मार्च को ठाणे में एंट्री करेगा। ठाणे प्रवास के दौरान राहुल गांधी मराठा योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज और समाज सुधारक बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमाओं पर श्रद्धांजलि देंगे।

16 मार्च को चैत्यभूमि में एक सभा को संबोधित करेंगे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के विधायक और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री जितेंद्र अव्हाड के मुताबिक यात्रा 17 मार्च को मुंबई में एक रैली के साथ समाप्त होगी। कांग्रेस ने शरद पवार को भी सार्वजनिक बैठक में शामिल होने का निमंत्रण दिया है।

लायंस क्लब कोरबा गुरुकुल के स्थायी प्रोजेक्ट लायंस गुरूकुल महाविद्यालय का शिलान्यास एवं अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सशक्त महिला सम्मान समारोह संपन्न

कोरबा/ मड़वारानी (दिव्य आकाश)।

कोरबा-चाम्पा मार्ग पर स्थित मड़वारानी के समीप ग्राम खरहरकूड़ा में नितेश कुमार मेमोरियल लायंस पब्लिक स्कूल एवं लायंस क्लब कोरबा गुरूकुल के संयुक्त तत्वावधान में लायंस गुरूकुल महाविद्यालय का शिलान्यास एवं विश्व महिला दिवस के अवसर पर सशक्त महिला सम्मान समारोह गत 09 मार्च को संपन्न हुआ। इस आयोजन में महाविद्यालय का शिलान्यास के साथ- साथ आसपास के क्षेत्रों से उन महिलाओं का सम्मान किया गया, जिनका अपने काम के क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान रहा है। जो समाज में अपना व्रिशेष महत्व रखते हैं। ऐसे 300 से अधिक महिलाओं को शाल, श्रीफल, माला एवं सम्मान प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व अध्यक्ष- जिला पंचायत कोरबा श्रीमती शकुंतला कंवर उपस्थित रहीं। कार्यक्रम को संबोधित करती हुई श्रीमती कंवर ने कहा कि आज यहां लायंस गुरूकुल महाविद्यालय की नींव रखी जा रही है, जहां पर क्षेत्र के विद्यार्थियों को पास में ही उच्च शिक्षा मिलेगी और बड़े खर्चे से बच्चे बचेंगे।

उन्होंने महिला सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए, कहा कि आज महिलाएं सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ रही हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल के संस्थापक पीएमजेएफ लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल ने की और महाविद्यालय के बारे में जानकारी दी। विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती देवी राजवाड़े (सदस्य-जनपद पंचायत करतला, क्षेत्र जामपानी), श्रीमती नम्रता नामदेव (जनपद पंचायत करतला, सदस्य-सिवनी क्षेत्र), लायन विजय अग्रवाल (द्वितीय वॉइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डि 3233 सी), लायन पवन शर्मा (रीजन् चेयर पर्सन जोन 3), लायन सुरेंद्र कुमार डनसेना (जोन चेयरमैन), लायंस स्कूल रायगढ़ के डायरेक्टर कमल मित्तल, एमजेएफ लायन पवन अग्रवाल ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में क्लब अध्यक्ष लायन मनोज गुप्ता, क्लब सचिव सुभाष चन्द्र अनंत, क्लब कोषाध्यक्ष लायन पार्वती दास, स्कूल के प्राचार्य दीपक जायसवाल की भूमिका सराहनीय रही। सभी की उपस्थिति से महाविद्यालय का शिलान्यास एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, अभिभावकगण, विद्यालय के बच्चे उपस्थित थे।

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बनेगा मील का पत्थर-शकुंतला कंवर

कार्यक्रम को संबोधित करती हुई श्रीमती कंवर ने कहा कि शिक्षा का दान सबसे सर्वोपरी है। कुछ साल पहले यह भूमि बंजर थी, जहां पर आज शिक्षा का मंदिर आबाद है और हजारों गरीब एवं ग्रामीण क्षेत्र के बच्चे शिक्षा ग्रहण कर अपना कैरियर गढ़ रहे हैं। मैं समझती हूं कि नितेश कुमार मेमोरियल लायंस पब्लिक स्कूल जैसा विद्यालय ग्रामीण क्षेत्रों में शायद ही कोई विद्यालय होगा। आज इस परिसर में उच्च शिक्षा के लिए नए भवन का भूमिपूजन हो रहा है और यह भवन क्षेत्र के लिए मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज नारी सशक्त और सक्षम बन रही है और हर क्षेत्रों में आगे बढ़ रही है। विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत महिलाओं का सम्मान गर्व की बात है।

कार्यक्रम की सराहना की अतिथियों ने

लायंस क्लब कोरबा गुरूकुल के स्थाई प्रोजेक्ट के रूप में लायंस गुरूकुल महाविद्यालय की स्थापना और क्लब तथा विद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सशक्त नारी सम्मान समारोह के आयोजन को उपस्थित अतिथियों एवं सम्मानित महिलाओं ने प्रशंसा की।

गरीब बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए अब दूर नहीं जाना पड़ेगा

नितेश कुमार मेमोरियल लायंस पब्लिक स्कूल खरहरकुड़ा विद्यालय के संस्थापक एवं अध्यक्ष पीएमजेएफ लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल ने गुरूकुल महाविद्यालय खोलने के उद्देश्य पर प्रकाश डाला और कहा कि क्षेत्र एवं ग्रामीण बच्चों को बेहतर शिक्षा देना और उनकी प्रतिभाओं को आगे ले जाने के उद्देश्य से महाविद्यालय की नींव रखी जा रही है। अभी नितेश कुमार मेमोरियल लायंस पब्लिक स्कूल के माध्यम से क्षेत्र के हजारों बच्चे विशेषज्ञ शिक्षकों के सानिध्य में अपना कैरियर गढ़ रहे हैं और अब महाविद्यालय खुलने से क्षेत्र के गरीब बच्चों को भी उच्च शिक्षा के लिए दूर जाना नहीं पड़ेगा और कम फीस में अच्छी शिक्षा मिलेगी।

केजरीवाल के घर के बाहर हिंदू शरणार्थियों का प्रदर्शन,सीएम बोले- पाकिस्तानियों ने हंगामा किया

नई दिल्ली,(एजेंसी)।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को कहा कि आज कुछ पाकिस्तानियों ने मेरे घर के सामने प्रदर्शन और हुड़दंग की। दिल्ली पुलिस ने उन्हें पूरा सम्मान और संरक्षण दिया और भाजपा ने समर्थन किया। दरअसल, केजरीवाल के सीएए पर दिए बयान से हिंदू शरणार्थी खफा हैं। उन्होंने सुबह 11 बजे उनके आवास के सामने विरोध-प्रदर्शन किया। इसमें महिलाएं और बच्चों ने भी नारे लगाए। सभी प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने बैरिकेडिंग कर उनके आवास के पहले रोक रखा था। शाम को सीएम केजरीवाल ने फिर वही लाइन दोहराई और x पर एक पोस्ट किया। लिखा, आज कुछ पाकिस्तानियों ने मेरे घर के सामने प्रदर्शन और हुड़दंग किया। दिल्ली पुलिस ने उन्हें पूरा सम्मान और संरक्षण दिया। बीजेपी ने इनका पूरा समर्थन किया। बीजेपी मुझसे नफरत करते-करते पाकिस्तानियों के साथ खड़ी हो गई, भारत के साथ गद्दारी करने लगी? इस सीएए के बाद ये पाकिस्तानी पूरे देश में फैल जाएंगे और इसी तरह हमारे ही मुल्क के लोगों को इस तरह हड़काएंगे और हुड़दंग करेंगे।

रोजगार का सुनहरा अवसर

कोरबा में पहली बार पंचकर्म चिकित्सा प्रशिक्षण प्रारंभ किया जा रहा है। 8वीं एवं 10वीं पास युवक/युवती पंचकर्म चिकित्सा पद्धति सीख कर रोजगार की गारंटी पाएं। प्रशिक्षण शुल्क नाम मात्र।

संपूर्ण बायोडाटा के साथ पंचकर्म प्रशिक्षण हेतु आज ही संपर्क करें-

आयुर्वेद सदन-

पंचकर्म चिकित्सालय

आर्युलाईन मल्टी स्पेशलिटि पंचकर्म हॉस्पिटल

प्लाट नं.: 310,सुदर्शन भवन (पंचकर्म सदन) मेन स्टेट बैंक के पास, प्रजापति ब्रह्मकुमारी विश्वविद्यालय के बगल में, टी.पी. नगर (कोरबा), मो.: 94255-47677, 83193-24280

राजस्थान में पेट्रोल-डीजल के रेट कम हुए,2 प्रतिशत वैट कम किया, पेट्रोल 5 रुपए और डीजल 4 रुपए 85 पैसे तक सस्ता होगा

जयपुर (एजेंसी)।

सीएम भजनलाल शर्मा की कैबिनेट की दूसरी बैठक में पेट्रोल डीजल के दाम कम करने का फैसला लिया गया है। सरकार ने वैट में 2 प्रतिशत कटौती की है। वैट में कटौती से पेट्रोल के रेट में 1 रुपए 40 पैसे से लेकर 5 रुपए 30 तक रेट कम होंगे, डीजल के रेट 1 रुपए 34 पैसे से लेकर 4 रुपए 85 पैसे तक कम होंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अभी तक राजस्थान के अलग-अलग शहरों में पेट्रोल-डीजल के रेट अलग-अलग थे, उस विसंगति को भी सरकार ने दूर कर दिया है, अब हर ज़िले में एक ही रेट होगा। अभी जिस ज़िले में पेट्रोल-डीजल के रेट पहले से ज्यादा थे, वहां ज्यादा पैसा कम होगा, वहीं जिस जिले में रेट कम है, वहां कम पैसे घटेंगे। राजस्थान की राजधानी जयपुर में इंडियन ऑयल के पेट्रोल पंप पर अभी डीजल के रेट 93.72 रुपए प्रति लीटर और पेट्रोल की कीमत 108.48 रुपए प्रति लीटर है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पेट्रोल-डीजल पर कम हुई कीमतें शुक्रवार सुबह 6 बजे से लागू होंगी।

दुकान किराये पर देना है

कोरबा के हृदय स्थल टी.पी. नगर नया बस स्टैंड के पास होटल ब्लू डायमंड के सामने प्रथम मंजिल में सर्वसुविधायुक्त 2500 sqft फाल सिलिंग लगा हुआ शीघ्र ही किराए पर देना है।

हमसे संपर्क करें-

गोपाल राय सोनी

मो.: 79996 32557

जीवेत शरदः शतम्

प्रार्थयामहे भव शतायुषी ।
ईश्वरः सदा त्वां च रक्षतु ।।

हमारा प्रिय लाडला ओम को जन्मदिन (16/3/2024)की 19वीं वर्षगांठ पर ढेर सारी शुभकामनाएं... एवं उत्कर्ष जीवन के लिए शुभाशीष...

दादी, बड़े पापा-बड़ी मम्मी, मम्मी-पापा, चाचा-चाची, नाना-नानी, फूफा-बुआ, मनु, कुणाल, वेदांत, अवि (भाई), सुमन, अंकिता, चारू, मिष्ठी, सिद्धि (बहन)

दिव्य आकाश परिवार कोरबा/कनकी

गर्भ पोषक सीरप (कैप्सूल सहित)

अनन्त मूल, छोटी कटेली, बड़ी कटेली, अश्वगंध, शतावर, मुलहठी, सौंठ, देवदारू, शिवलिंगी से निर्मित यह योग गर्भकाल में गर्भ सम्बन्धी स्राव व शूल में लाभप्रद, गर्भ को स्थित करता है व गर्भ के बार बार पतन को रोकने में लाभकारी है तथा गर्भस्थ शिशु का पोषण करता है। उक्त औषधि को विशेष रूप से प्रभावी बनाने के लिये इसके साथ में कैप्सूल भी दिये गये हैं।

सीएसईबी चौक | स्टेडियम रोड | ट्रांसपोर्ट नगर चौक | मुड़ापार रोड

आयुर्वेदिक चिकित्सा परामर्श

गाठिया, जोड़ों का दर्द, साईटिका, श्वास, दमा, खांसी पुराना नजला, गैस, खाज, खुजली, शुगर, बवासीर, पथरी, लिकोरियो मर्दो व औरतों के गुप्त रोगों के निराश रोगी ईलाज के लिए मिलें।

डॉ. वाय. भारद्वाज (एम.डी.) (एन.एम.)

पतंजलि | श्रीश्री AYURVEDA | बैद्यनाथ | Dabur | ZANDU

शराब छुड़ाने की हर्बल दवा उपलब्ध

सभी कंपनियों के आयुर्वेदिक दवाईयों के थोक एवं चिल्हर विक्रेता

एक कदम आयुर्वेद की ओर ... स्वस्थ रहो अभियान...

शिव हर्बल आयुर्वेदिक एण्ड कॉस्मेटिक

शॉप नं. 07 अल्का काम्प्लेक्स, टी.पी. नगर, कोरबा (छ.ग.) मो.: 9302358945

सुविचार

बिना वज़ह के खुश रहने का मज़ा ही कुछ और है, इसलिए हमेशा खुश रहो।

सरोकार

कृषि उन्नति योजना से आएगी खेती किसानी में समृद्धि

छत्तीसगढ़ के किसानों के लिए 12 मार्च 2024 को ऐतिहासिक दिन मानें तो इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। मोदी की गारंटी और विष्णु के सुशासन का असर किसानों को भी देखने को मिला। 3100 रूपए प्रति क्विंटल की दर से 2100 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान खरीदी का वादा पूरा हुआ। पहले धान खरीदी समर्थन मूल्य पर हुई और अंतर की राशि को कृषि उन्नति योजना के नाम से एक मुश्त राशि 40 लाख से अधिक किसानों को दी गई। इस योजना से किसानों को खेती किसानी में रूचि बढ़ेगी और हमारी अर्थ व्यवस्था खेतीखार एवं गांव से प्रारंभ होकर शहर की ओर बढ़ेगी। जब कभी देश और विश्व में आर्थिक मंदी का दौर आएगा, उसके बावजूद भी किसानों और गांव की स्थिति सामान्य बनी रहेगी और किसानों को भूखमरी का शिकार नहीं होना पड़ेगा।

संपादक

कृषक उन्नति योजना

छत्तीसगढ़ में डबल इंजन की सरकार का असर अब दिखने लगा है। मोदी की गारंटी और विष्णु के सुशासन से कृषि उन्नति योजना से किसानों के चेहरे खिल गए। राज्य के किसानों के बैंक खातों में इस महीने की 12 तारीख को जमकर धन वर्षा हुई। कृषक उन्नति योजना में लगभग 24.72 लाख किसानों के बैंक खातों में 13320 करोड़ रूपए सीधे राशि पहुंची। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा राज्य के किसानों को दी गई गारंटी के अनुरूप मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कृषक उन्नति योजना में समर्थन मूल्य और राज्य सरकार द्वारा घोषित किए गए उपार्जन मूल्य की अंतर की राशि किसानों को देने का निर्णय लिया और इस योजना की शुरूआत 12 मार्च को की।

कृषक उन्नति योजना में राज्य के किसानों को समर्थन मूल्य पर खरीदे गए धान में प्रति क्विंटल 917 रूपए के मान से अंतर की राशि दी गई। अंतर की राशि भुगतान के बाद किसानों को धान की प्रति क्विंटल 3100 रूपए की कीमत मिली, जो भाजपा ने वादा किया था, सरकार बनते ही पूरा हुआ। किसानों को धान के प्रति क्विंटल के मान से भुगतान की जा रही यह राशि देश में सर्वाधिक है। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा इस साल के बजट में 10 हजार करोड़ और पिछले साल के अनुपूरक बजट में 3 हजार करोड़ इस प्रकार कुल 13 हजार करोड़ रूपए का प्रावधान रखा गया था।

खेती-किसानी से खुलेंगे समृद्धि के द्वार

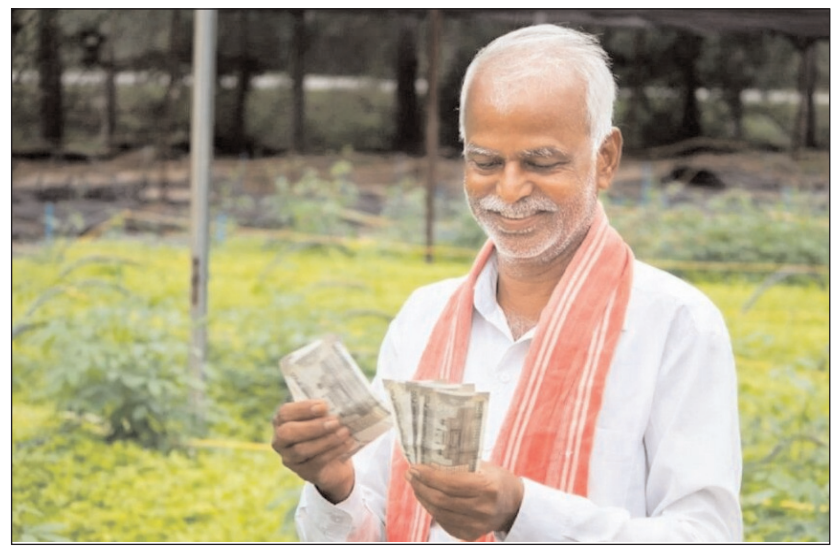

छत्तीसगढ़ की अर्थ व्यवस्था में कृषि का महत्वपूर्ण योगदान है, इसलिए राज्य के बजट में भी कृषि के साथ-साथ ग्रामीण विकास को फोकस किया गया है। यहां धान और किसान एक-दूसरे के पर्याय हैं। राज्य में लगभग 32 लाख हेक्टेयर में धान की बोनी होती है और 24 लाख से अधिक किसानों ने समर्थन मूल्य पर धान का विक्रय किया है। इस वर्ष 144.92 लाख मीट्रिक टन की समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी किसानों से की गई है। किसानों से समर्थन मूल्य पर की गई धान खरीदी के एवज में 31,913 करोड़ की राशि भुगतान की गई है।

छत्तीसगढ़ के किसानों को धान की कीमत प्रति क्विंटल 3100 रूपए की राशि मिलने से राज्य की अर्थव्यवस्था भी गतिमान होगी। ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक समृद्धि के द्वार खुलेंगे। खेती-किसानी को मजबूती मिलेगी। किसान खेती के आधुनिक तौर तरीकों की ओर अग्रसर होंगे। राज्य में व्यापार और वाणिज्य में तेजी आएगी। राज्य सरकार के राजस्व में बढ़ोत्तरी होगी, जिसका लाभ यहां के लोगों को मिलेगा। किसानों के साथ-साथ आम लोगों के जनजीवन में तेजी से बदलाव आएगा।

छत्तीसगढ़ सरकार ने किसान हितैषी निर्णय लेते हुए समर्थन मूल्य में धान खरीदी के लिए प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी की है। साथ ही किसानों को दो साल का बकाया बोनस राशि के रूप में 3716 करोड़ की राशि सीधे उनके बैंक खाते में दी है। इसके अलावा कृषि मजदूरों को भी राहत देने के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर योजना लागू करने का निर्णय लिया है। इस योजना में भूमिहीन कृषि मजदूर को साल में 10 हजार रूपए की राशि दी जाएगी।

गौरतलब है कि केन्द्र सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ के 23 लाख से ज्यादा किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का भी लाभ मिल रहा है। इस योजना में किसानों को तीन किश्तों में साल में 6 हजार रूपए की राशि केन्द्र सरकार द्वारा सीधे किसानों के बैंक खातों में दी जा रही है। केन्द्र सरकार ने छत्तीसगढ़ में धान के विपुल उत्पादन को देखते हुए केन्द्रीय पूल में 74 लाख मीट्रिक टन चावल जमा करने का लक्ष्य दिया है।

बेस्ट फोटो ऑफ द वीक

खुशहाल अन्नदाता खुशहाल छत्तीसगढ़

किसी भी देश या प्रदेश की उन्नति किसानों और जवानों की उन्नति से ही संभव है। भारतरत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व.श्री अटल बिहारी बाजपेयी ने नारा दिया था... जय जवान-जय किसान-जय विज्ञान। इसके पूर्व पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री लालबहादुर शास्त्री ने भी नारा दिया था... जय जवान-जय किसान। बाद में हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इन नारों में आगे का वाक्य जोड़ा और बन गया... जय जवान- जय किसान- जय विज्ञान- जय अनुसंधान...। सभी देश के मुखिया बने राजनेताओं ने अपनी अर्थव्यवस्था में किसानों को फोकस में रखा, लेकिन आज भी किसान आंदोलन क्यों हो रहे हैं? इस बात पर गौर करने की जरूरत है। आज भी किसान अपनी उन्नति और समृद्धि के लिए क्यों संघर्षरत हैं। क्या आज भी उन्हें अन्न का पर्याप्त एमएसपी नहीं मिल पा रहा है? इतना तो कहना लाजिमी है कि किसान और बार्डर पर तैनात हमारे जवान जब तक खुश नहीं होंगे, तब तक देश की उन्नति और समृद्धि का वादा थोथला ही माना जाएगा। हमारे प्रदेश में विष्णु के सुशासन से और मोदी की गारंटी से किसानों की समृद्धि और खुशहाली जरूर आगे बढ़ेगी। किसान सम्मान निधि भी किसानों को राहत पहुंचा रही है। लेकिन छत्तीसगढ़ गढ़ की ऊर्वरा को और बेहतर बनाने के लिए किसानों को और भी प्रोत्साहन देना जरूरी है। जहां सिंचाई सुविधा नहीं पहुंची है, वहां पानी की धारा पहुंचाना जरूरी है। ऊपरी हिस्सों में नहर ले जाना असंभव दिखे तो जलाशय, स्टाप डेम, तालाब, बांध के माध्यम से सिंचाई रकबा को 100 प्रतिशत ले जाने के लिए प्रयास करना होगा। छत्तीसगढ़ में अधिकतर खेतों में धान की फसल होती है, फसल चक्र को बढ़ावा देने का और बेहतर प्रयास होना चाहिए। देश और प्रदेश की उन्नति के लिए खेती किसानी के साथ-साथ परिवहन एवं आवागमन की सुलभता, औद्योगिक क्रांति के साथ हरित और श्वेत क्रांति को भी बढ़ावा मिले।

डॉ गजेन्द्र तिवारी
शिक्षाविद
पाली जिला कोरबा
मो.: 94241-50282

राजनीतिक तुष्टिकरण के कारण ही सीएए का विरोध क्यों? पहले कानून को तो पढ़ लें, किसी धर्म को संशय ही नहीं रहेगा

जो लोग तुष्टिकरण की राजनीति के लिए सीएए का विरोध कर रहे हैं उनसे हमारे कुछ सवाल हैं। क्या वह एक बार भी उन बस्तियों में गये हैं, जहां पड़ोसी देशों से आये शरणार्थी रह रहे हैं? भारत में रह रहे शरणार्थियों को अपने मूल देश में धर्म के आधार पर प्रताड़ना झेलनी पड़ी।

संशोधित नागरिकता कानून के खिलाफ भ्रम फैलाने का खेल शुरू हो चुका है। कुछ लोग इस कानून पर रोक लगाने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटा रहे हैं, तो कुछ लोगों ने धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है। कुछ विपक्षी मुख्यमंत्री कह रहे हैं कि इस कानून को हम अपने राज्य में लागू नहीं करेंगे, जबकि वह जानते हैं कि केंद्रीय कानून में हस्तक्षेप करना उनके अधिकार क्षेत्र से बाहर है। मगर वोटों की राजनीति के लिए वह कुछ भी बोल रहे हैं। इस क्रम में दिल्ली के मुख्यमंत्री तो सबसे आगे निकल गये और सीएए का विरोध करते हुए केंद्र सरकार के खिलाफ अमर्यादित शब्द का उपयोग करते हुए कह दिया है कि ये क्या बदतमीजी है?

जो लोग तुष्टिकरण की राजनीति के लिए सीएए का विरोध कर रहे हैं उनसे हमारे कुछ सवाल हैं। क्या वह एक बार भी उन बस्तियों में गये हैं जहां पड़ोसी देशों से आये शरणार्थी रह रहे हैं? भारत में रह रहे शरणार्थियों को अपने मूल देश में धर्म के आधार पर प्रताड़ना झेलनी पड़ी। उनके सामने विकल्प थे या तो धर्मांतरण कर लो या मर जाओ या देश छोड़ दो। उन्होंने देश छोड़ कर भारत में शरण ली लेकिन यहां की नागरिकता नहीं होने के चलते उनको सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता। यही नहीं कोई उन्हें काम पर भी नहीं रखता क्योंकि वह अपनी पहचान साबित नहीं कर सकते। ऐसे में कम पैसों में ज्यादा मजदूरी करके वह किसी तरह अपना पेट पालते हैं, उनके बच्चों का स्कूल में एडमिशन नहीं होता और जरूरत पड़ने पर अस्पताल में भी इलाज में परेशानी होती है क्योंकि उनकी कोई पहचान नहीं है।

जो लोग सीएए का विरोध कर रहे हैं क्या उनमें से एक ने भी इस कानून के नियमों को पूरी तरह से पढ़ा है? जो लोग सीएए का विरोध कर रहे हैं क्या उनमें जरा भी मानवता नहीं है? जो लोग कह रहे हैं कि इसमें पड़ोसी देशों के मुस्लिमों को क्यों नहीं शामिल किया गया क्या वह इस बात को नहीं जानते कि मुस्लिमों को इस्लामिक देश में धर्म के आधार पर प्रताड़ित नहीं किया जाता? अगर वह वहां किसी तरह परेशान भी हैं तो दुनिया में कई इस्लामिक देश हैं जहां वह बस सकते हैं। लेकिन हिंदुओं के लिए हिंदू बहुलता वाला एक ही देश भारत है, जहां वह आ सकते हैं। जो लोग कह रहे हैं कि सीएए में मुस्लिमों को शामिल नहीं कर भारत के संविधान का उल्लंघन किया गया है, उन्होंने शायद गृह मंत्रालय का बयान नहीं पढ़ा है। इसके अलावा, भारत कैसे सभी धर्मों को साथ लेकर चलता है और कैसे अपने अल्पसंख्यकों का खास ख्याल रखता है। इसे आप इस बात से भी समझ सकते हैं कि भारत में अल्पसंख्यक मामलों के लिए अलग से मंत्रालय है। यही नहीं, भारत में वक्फ एक्ट के तहत मुस्लिमों के लिए अलग से भूमि अधिकार कानून है। साथ ही भारत में आर्टिकल 30 के तहत अल्पसंख्यकों के लिए विशेष धार्मिक शिक्षा अधिकार कानून है। यही नहीं भारत में एचआरसीई एक्ट के तहत मंदिरों की संपत्ति और प्रबंधन से जुड़े तमाम अधिकार राज्य सरकारों के हाथ में हैं। मगर किसी अन्य धर्म से जुड़े स्थलों पर सरकार का किसी प्रकार का नियंत्रण नहीं है।

लेकिन हल्ला मचाने वालों का एक ही लक्ष्य है कि झूठ इतनी बार बोलो और इतना तेज बोलो कि सच दब कर रह जाये। मगर सच दब नहीं सकता। जिसके मन में सीएए को लेकर जरा भी शक है, उसे केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से जारी बयान को पढ़ना चाहिए जिसमें कहा गया है कि नागरिकता (संशोधन) कानून (सीएए) पर भारतीय मुसलमानों को किसी तरह की चिंता करने की जरूरत नहीं है क्योंकि इस कानून का भारतीय मुसलमानों से कोई लेना-देना नहीं है जिनके पास अपने समकक्ष हिंदू भारतीय नागरिकों के समान अधिकार हैं। मंत्रालय ने सीएए के संबंध में मुसलमानों और छात्रों के एक वर्ग की आशंका को दूर करने की कोशिश करते हुए यह स्पष्ट कर दिया कि ''इस कानून के बाद किसी भी भारतीय नागरिक को अपनी नागरिकता साबित करने के लिए कोई दस्तावेज पेश करने के लिए नहीं कहा जाएगा।'' गृह मंत्रालय ने एक बयान में कहा है कि भारतीय मुसलमानों को किसी तरह की चिंता करने की जरूरत नहीं है क्योंकि इस कानून में उनकी नागरिकता को प्रभावित करने वाला कोई प्रावधान नहीं है। बयान में कहा गया है कि नागरिकता कानून का वर्तमान 18 करोड़ भारतीय मुसलमानों से कोई लेना-देना नहीं है, जिनके पास अपने समकक्ष हिंदू भारतीय नागरिकों के समान अधिकार हैं।

हम आपको बता दें कि गृह मंत्रालय ने अपने बयान में कहा है कि उन तीन मुस्लिम देशों में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों के कारण पूरी दुनिया में इस्लाम की छवि बुरी तरह खराब हुई है। हालांकि, इस्लाम एक शांतिपूर्ण धर्म होने के नाते, कभी भी धार्मिक आधार पर घृणा, हिंसा, उत्पीड़न को बढ़ावा नहीं देता है। गृह मंत्रालय के बयान में कहा गया कि यह कानून अत्याचार के नाम पर इस्लाम की छवि खराब होने से बचाता है। कानून की आवश्यकता बताते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा है कि भारत का अफगानिस्तान, पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ प्रवासियों को इन देशों में वापस भेजने के लिए कोई समझौता नहीं है। बयान में कहा गया है कि यह नागरिकता कानून अवैध प्रवासियों के निर्वासन से संबंधित नहीं है। इसलिए मुसलमानों और छात्रों सहित लोगों के एक वर्ग की चिंता अनुचित है कि सीएए मुस्लिम अल्पसंख्यकों के खिलाफ है। मंत्रालय ने कहा है कि नागरिकता अधिनियम की धारा 6, जो प्राकृतिक आधार पर नागरिकता से संबंधित है, के तहत दुनिया में कहीं से भी मुसलमानों के लिए भारतीय नागरिकता प्राप्त करने पर कोई रोक नहीं है।

बयान में कहा गया कि अन्य धर्मों वाले भारतीय नागरिकों की तरह भारतीय मुस्लिमों के लिए आजादी के बाद से उनके अधिकारों की स्वतंत्रता और अवसर को कम किए बिना, सीएए ने 31 दिसंबर, 2014 को या उससे पहले भारत आने वाले लोगों के उत्पीड़न की पीड़ा को कम करने तथा उनके प्रति उदार व्यवहार दिखाने के उद्देश्य से नागरिकता के लिए आवेदन की योग्यता अवधि को 11 से कम कर पांच साल कर दिया है। सीएए लाने के औचित्य पर जोर देते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा है कि उन तीन देशों के उत्पीड़ित अल्पसंख्यकों के प्रति सहानुभूति दर्शाने के लिए यह कानून, भारत की उदार संस्कृति के अनुसार उनके सुखी और समृद्ध भविष्य के लिए उन्हें भारतीय नागरिकता प्राप्त करने का अवसर देता है। बयान में कहा गया है कि नागरिकता प्रणाली में जरूरत के अनुसार बदलाव लाने और अवैध प्रवासियों को नियंत्रित करने के लिए इस कानून की आवश्यकता थी। मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि यह कानून किसी भी मुस्लिम को मौजूदा कानूनों के तहत भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन करने से नहीं रोकता है, जिसे इस्लाम के अपने तौर-तरीकों का पालन करने के लिए उन तीन इस्लामिक देशों में उत्पीड़न का सामना करना पड़ा हो।

बहरहाल, सीएए के क्रियान्वयन के खिलाफ असम सहित देश के कुछ हिस्सों में भले विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया है लेकिन सीएए लागू किये जाने पर हिंदू-सिख शरणार्थियों में खुशी का माहौल है। पहचान मिलने की उम्मीद की खुशी में शरणार्थियों का कहना है कि यह उनके लिए पुनर्जन्म की तरह है। कई कई दशकों से भारत में रह रहे शरणार्थियों को अब उम्मीद है कि सबसे बुनियादी चीज पहचान उन्हें मिलने के बाद उनके और उनके बच्चों के लिए आगे का जीवन आसान हो जायेगा। देखा जाये तो सीएए का विरोध करने की बजाय इस कानून के जरिये इतने लोगों के जीवन में खुशी लाने के लिए भारतीय संसद का शुक्रिया अदा किया जाना चाहिए।

एजेंसी-नीरज कुमार दुबे

अजय देवगन और आर माधवन की फिल्म शैतान खड़े कर देगी आपके रोंगटे

मुम्बई (एजेंसी)।

फिल्म में दिखाया गया है कि अजय देवगन का किरदार अपनी बेटी से कितना प्यार करता है और उसे बाधाओं से बचाने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। फिल्म रिलीज हो गई। आइए फिल्म की समीक्षा पर गौर करें।

रेड, दृश्यम और सिंघम सहित तमाम फिल्मों के लिए अजय देवगन की अंतहीन भूख कहानियों को विकसित करने और उन्हें सहज तरीके से पेश करने के प्रति उनके प्यार को दर्शाती है। उनकी नवीनतम फिल्म शैतान एक रोमांचक थ्रिलर है जो आपको पूरी फिल्म में सीट से बांधे रखेगी। फिल्म में दिखाया गया है कि अजय देवगन का किरदार अपनी बेटी से कितना प्यार करता है और उसे बाधाओं से बचाने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। फिल्म रिलीज हो गई। आइए फिल्म की समीक्षा पर गौर करें।

शैतान की शुरुआत अजय देवगन और उनके परिवार के साथ अपने दो बच्चों के साथ एक फार्महाउस में छुट्टियां मनाने जाने से होती है। इस बीच, जब पूरा परिवार मौज-मस्ती कर रहा था, एक बिन बुलाए मेहमान मदद मांगने के लिए उनके घर में प्रवेश करता है। समय के साथ, मेहमान मित्रवत व्यवहार करने की कोशिश करता है और चाल चलकर पूरे परिवार को धोखा देता है।

मेहमान ने अजय देवगन की बेटी को मिठाई खिलाकर और उससे ऐसे काम करवाकर अपना नियंत्रण हासिल कर लिया जो उनकी कल्पना से परे हैं।

जैसे-जैसे फिल्म आगे बढ़ती है, माता-पिता असहाय हो जाते हैं और अपनी बेटी के लिए कुछ नहीं कर पाते। सीन-दर-सीन फिल्म भयावह माहौल बनाती है। एक सीन में तो बेटी आत्मघाती हो जाती है और अपने परिवार वालों को भी मारने पर उतारू हो जाती है। कुछ सीन्स से यह अक्षय कुमार की फिल्म संघर्ष की याद दिलाती है और आर.माधवन का किरदार आशुतोष राणा से मिलता-जुलता है।

अभिनय कैसा है?

आर.माधवन की शानदार और संजीदा एक्टिंग आपके जेहन में कुछ देर के लिए बस जाएगी। उनका अभिनय और कैमरे की ओर घूरना एक भयावह प्रभाव डालता है और आपके रोंगटे खड़े कर देगा। अजय देवगन का सुरक्षात्मक पिता का किरदार पहले भी दृश्यम जैसी फिल्मों में प्रशंसकों के साथ जुड़ चुका है। इस फिल्म से उन्होंने शानदार एक्टिंग से अपने किरदार को बखूबी निभाया है। अजय देवगन का अपने परिवार के प्रति प्यार बनाम आर माहवन का अराजक कृत्य आपको एक पल के लिए भी अपनी आँखें झपकाने नहीं देगा। जानकी बोदीवाला की एक्टिंग भी शानदार है। उन्होंने अजय देवगन की बेटी का किरदार प्रभावी ढंग से निभाया। ज्योतिका सरवनन ने उस माँ की भूमिका निभाकर न्याय किया है जो मुसीबत में अपने बच्चों के लिए कुछ भी कर सकती है।

डायरेक्शन

विकास बहल ने फिल्म में सही भावनाएं दिखाई हैं। पिता के असहाय होने पर माँ को दुर्गा का रूप धारण करना बहुत ही शानदार ढंग से दिखाया गया है। हर एक दृश्य इसके लायक है।

छायांकन

पूरी फिल्म एक ही घर में शूट की गई है और कुछ दृश्यों में रोशनी की थोड़ी कमी दिखती है। फिल्म तेज़ गति वाली है और एक भी दृश्य उबाऊ नहीं है। एक चीज़ जो जोड़ी जा सकती थी वह थी संगीत।

निर्णय

अजय देवगन और आर.माधवन की सुपरनैचुरल थ्रिलर शैतान एक बार देखने लायक है। स्टार-कास्ट और शानदार अभिनय के साथ, फिल्म ने पूर्वानुमानित कहानी को मजबूत किया है।

UIDAI ने दी बड़ी राहत

अब जून तक आधार कार्ड अपडेट करा सकते हैं

नईदिल्ली (एजेंसी)।

UIDAI ने एक्स और फेसबुक पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा है कि फ्री में आधार कार्ड अपडेट की तारीख बढ़ाकर 14 जून 2024 तक कर दी है। आइए आपको बताते हैं आधार कार्ड को अपडेट कैसे करें। आधार कार्ड को मुफ्त में कैसे अपडेट करें। जानें आधार कार्ड अपडेट के लिए शुल्क कितना है।

अगर आपका आधार कार्ड 10 साल पुराना हैं तो सरकार ने आपको बड़ी राहत दी है। सरकार ने आधार कार्ड को फ्री में अपडेट कराने की तारीख 14 मार्च थी लेकिन अब ये तारीख आगे बढ़कर जून बढ़ा दी गई है। यदि आपका आधार कार्ड 10 साल पुराना है तो जल्द ही अपडेट कराएं। ष्ठ्रढ्ढ ने एक्स और फेसबुक पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा है कि फ्री में आधार कार्ड अपडेट की तारीख बढ़ाकर 14 जून 2024 तक कर दी है। आइए आपको बताते हैं आधार कार्ड को अपडेट कैसे करें।

आधार अपडेट की अंतिम तारीख

MyAadhaar पोर्टल पर आधार कार्ड को मुफ्त में अपडेट करने की आखिरी तारीख 14 जून 2024 है। 14 जून 2024 के बाद, आपको शुल्क का भुगतान करके आधार कार्ड के लिए अपनी पहचान और पते के प्रमाण दस्तावेजों को अपडेट करना होगा।

शुरुआत में, यूआईडीएआई ने इस आधार कार्ड दस्तावेज़ अपडेट सुविधा को 14 मार्च 2024 तक मुफ्त ऑनलाइन कर दिया था और बाद में निवासियों से सकारात्मक प्रतिक्रिया के कारण इसे 14 जून 2024 तक बढ़ा दिया। इस प्रकार, आधार कार्ड दस्तावेजों को अपडेट करने की सुविधा 14 जून 2024 तक MyAadhaar पोर्टल पर मुफ्त ऑनलाइन रहेगी। यूआईडीएआई (भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण) ने लोगों से आधार कार्ड अपडेट, यानी पहचान प्रमाण (पीओआई) और पते का प्रमाण (पीओए) दस्तावेजों को अपडेट करने का आग्रह कर रहा है।

आधार कार्ड अपडेट के लिए शुल्क

14 जून 2024 तक MyAadhaar पोर्टल पर ऑनलाइन आधार कार्ड अपडेट के लिए कोई शुल्क नहीं है। हालांकि, यदि आप इसे भौतिक आधार केंद्र पर ऑफ़लाइन करते हैं तो यह अपडेट सुविधा मुफ़्त नहीं है। आधार केंद्रों पर अपने आधार कार्ड के लिए दस्तावेजों को अपडेट करते समय आपको 50 रुपये का शुल्क देना होगा। 14 जून 2024 के बाद आपको अपने आधार कार्ड दस्तावेजों को MyAadhaar पोर्टल पर ऑनलाइन अपडेट करने के लिए 25 रुपये का शुल्क देना होगा।

आधार कार्ड को मुफ्त में कैसे अपडेट करें?

-MyAadhaar पोर्टल पर जाएं।

-लॉगिन बटन पर क्लिक करें। अपना आधार नंबर, कैप्चा कोड दर्ज करें और ओटीपी भेजें बटन पर क्लिक करें। ओटीपी दर्ज करें और लॉगिन बटन पर क्लिक करें।

-डॉक्यूमेंट अपडेट बटन पर क्लिक करें।

-दिशानिर्देश पढ़ने के बाद अगला बटन पर क्लिक करें।

- अपना जनसांख्यिकी विवरण सत्यापित करें पृष्ठ पर, मैं सत्यापित करता हूं कि उपरोक्त विवरण सही हैं बॉक्स पर क्लिक करें और अगला पर क्लिक करें।

-पहचान का प्रमाण और पते का प्रमाण दस्तावेज़ अपलोड करें और सबमिट पर क्लिक करें।

- आपको अपने ईमेल में एक सेवा अनुरोध संख्या (एसआरएन) प्राप्त होगी। आप एसआरएन से अपने दस्तावेज़ अपडेट स्थिति को ट्रैक कर सकते हैं।

आपके आधार कार्ड का विवरण सात कार्य दिवसों के भीतर अपडेट हो जाएगा।

Pitbull Terrier, American Bulldog जैसे आक्रामक कुत्तों की नस्लों पर केंद्र सरकार ने लगाया प्रतिबंध

❖बिक्री और प्रजनन पर रहेगी रोक

नईदिल्ली (एजेंसी)।

केंद्र सरकार ने राज्यों को पिटबुल टेरियर, अमेरिकन बुलडॉग, रॉटवाइलर और मास्टिफ्स सहित 23 नस्लों के आक्रामक कुत्तों की बिक्री और प्रजनन पर प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया है। सरकार ने यह निर्देश ऐसे समय में दिया है जब देश में पालतू कुत्तों के हमलों में लोगों की मौत की घटनाओं में वृद्धि हुई है। विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को जारी निर्देश के मुताबिक लोगों कोपालतू जानवरों के रूप में 23 नस्लों के कुत्तों को रखने की मनाही होगी।

केंद्र सरकार के पशुपालन और डेयरी विभाग ने 12 मार्च को सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को लिखे एक पत्र में यह भी कहा कि कुत्तों की इन नस्लों, जिन्हें पहले से ही पालतू जानवर के रूप में रखा गया है, उनका आगे प्रजनन नहीं हो ऐसी व्यवस्था की जानी चाहिए। केंद्र सरकार के पशुपालन और डेयरी विभाग ने अभ्यावेदन के मद्देनजर विभिन्न हितधारक संगठनों के सदस्यों और विशेषज्ञों के साथ पशुपालन आयुक्त की अध्यक्षता में एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया था।

इस समिति ने मिश्रित और क्रॉस नस्लों सहित कुत्तों की 23 नस्लों को क्रूर और मानव जीवन के लिए खतरनाक माना है। समिति के मुताबिक पिटबुल टेरियर, टोसा इनु, अमेरिकन स्टेफोर्डशायर टेरियर, फिला ब्रासीलीरो, डोगो अर्जेंटीनो, अमेरिकन बुलडॉग, बोअरबोएल कांगल, मध्य एशियाई शेफर्ड डॉग और कोकेशियन शेफर्ड डॉग कुत्तों की उन नस्लों में से हैं जिन्हें केंद्र द्वारा प्रतिबंधित करने का सुझाव दिया गया है।

इसके अलावा दक्षिण रूसी शेफर्ड डॉग, टॉर्नजैक, सरप्लानिनेक, जापानी टोसा और अकिता, मास्टिफ, टेरियर्स, रोडेशियन रिजबैक, वुल्फ डॉग, कैनारियो, अकबाश डॉग, मॉस्को गार्ड डॉग, केन कोर्सो और बैंडॉग नस्ल के कुत्तों पर भी प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया गया है।

Lakme Fashion Week के दूसरे दिन दिया मिर्जा ने अपने स्टाइल से लूट ली महफिल

टप्पू संग सगाई की खबरों को लेकर आया बबीता जी का रिएक्शन, बोली- बेस्ट लाइफ जी रही हूं

मुंबई (एजेंसी)।

तारक मेहता का उल्टा चश्मा सीरियल में बबीता जी का किरदार निभाकर घर- घर में पहचान बनाने वाली मुनमुन दत्ता को भला कौन नहीं जानता। एक्टिंग से ज्यादा वह अपने विवादों को लेकर चर्चा में रही हैं। एक बार तो अपने बयान को लेकर उनके जेल जाने की नौबत तक आ गई थी। अब हाल ही में वह अपने रिलेशन को लेकर खबरों में बनी हुई हैं। हालांकि मुनमुन का मानना है कि इन सब चीजों पर बात करके वह अपनी एनर्जी वेस्ट नहीं करना चाहती।

दरअसल कल उस समय हलचल तेज हो गई जब खबर आई कि मुनमुन दत्ता ने सगाई कर ली, उनका मंगेतर और कोई नहीं तारक मेहता का उल्टा चश्मा सीरियल में टप्पू का किरदार निभाने वाले एक्टर राज अंदकत है। इन दोनों के अफेयर की खबरें तो बहुत पहले से ही चल रही थी, ऐसे में सगाई की बात ने थोड़ा हैरान कर दिया था क्योंकि दोनों में 9 साल का अंतर जो है।

सगाई की खबरों का किया खंडन

इस खबर के वायरल होने के बाद दोनों एक्टर्स ने चुप्पी तोड़ते हुए कहा कि ये सब फेक है। ई-टाइम्स से बात करते हुए मुनमुन ने कहा कि यह खबर फेक और फनी है। उन्होंने कहा- यह अफवाह पूरी तरह से मनगढ़ंत है, वह इस फेक न्यूज पर अपनी एनर्जी वेस्ट नहीं करना चाहतीं। इसके अलावा मुनमुन ने अपनी न्यूयॉर्क ट्रिप की कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा- अपनी बेस्ट लाइफ जी रही हूं।

वहीं दूसरी तरफ राज की टीम ने भी सोशल मीडिया के जरिए इन खबरों पर अपना रिएक्शन दिया है। एक्टर ने एक इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर करते हुए लिखा- 'हैलो, मैं सिर्फ कुछ चीजें साफ करना चाहता हूं। जो खबर आप सोशल मीडिया पर देख रहे हैं वो झूठी और बेसलेस है। टीम राज उनादकट।' खैर सच क्या है यह तो हम नहीं जानते बस इतना जरूर है कि ये दोनों इस समय चर्चा का विषय बने हुए हैं।

कई बार सुबह उठने के बाद दिमाग में बहुत तनाव होता है। ऐसे में दिन की शुरुआत पॉजिटिव तरह से करना भी मुश्किल हो जाता है। यह एक ऐसी समस्या है जिससे कई लोग जूझते हैं लेकिन उन्हें यह समझ नहीं आता कि इस तनाव से छुटकारा कैसे पाया जाए। ऐसे में आपकी परेशानी दूर करते हुए आज आपको कुछ ऐसे टिप्स बताते हैं जिनके जरिए आप अपना दिन पॉजिटिविटी के साथ शुरु कर सकते हैं। आइए जानते हैं कैसे।

स्ट्रेस दूर कर दिमाग को करना है शांत तो सुबह उठकर करें ये काम

मेडिटेशन

सुबह-सुबह मेडिटेशन के जरिए आप अपने दिमाग को शांत कर सकते हैं। मेडिटेशन एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके जरिए आप अपने दिमाग में आ रहे विचारों को कंट्रोल कर सकते हैं। इस दौरान अपनी सांसों पर ध्यान लगाएं। रोजाना माइंडफुल मेडिटेशन के साथ आप अपने आप को सुबह-सुबह शांत रख सकते हैं।

कैफीन से बनाएं दूरी

अगर आपको सुबह उठते ही चिंता होती है तो कैफीन का सेवन कम ही करें। सुबह के समय तो कैफीन से दूर ही रहें। कैफीन के कारण चिंता की भावनाएं बढ़ती हैं। अपने दिन की शुरुआत हर्बल टी या फिर डिकैफिनेटेड कॉफी के साथ आप कर सकते हैं।

गहरी सांस लें

सुबह उठते ही गहरी सांस लें। कुछ मिनट तक यह व्यायाम करें। व्यायाम करते हुए सांस को धीरे-धीरे ऊपर खींचे फिर कुछ सैकेंड के लिए सांस रोक लें। फिर धीरे-धीरे मुंह से सांस को छोड़ते जाएं। इस व्यायाम के जरिए आपके शरीर और दिमाग को आराम मिलेगा और चिंता दूर होगी।

हाइड्रेटेड रहें

पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं और संतुलित डाइट लें। इससे आपके मूड और एनर्जी में पॉजिटिव बदलाव आएगा। सुबह के समय खुद को हाइड्रेटेड रखने के लिए पानी पिएं, प्रोटीन, साबुत अनाज और फल का सेवन करें। पूरे दिन में चीनी का सेवन कम ही मात्रा में करने का कोशिश करें नहीं तो ब्लड में शुगर लेवल बढ़ेगा और चिंता बढ़ सकती है।

बात करें

सुबह उठते अगर आपको चिंता रहती है तो किसी साइकोलॉजिस्ट या परिवार के सदस्य के साथ बात करें। किसी करीबी से बात करने के बाद आपके अंदर आ रही भावनाएं शांत होंगी जिससे आपके दिमाग को आराम मिलेगा।

म्यूजिक सुनें

अपना मनपसंदीदा म्यूजिक सुनें। इससे भी आप खुद में पॉजिटिविटी महसूस करेंगे। कुछ मिनटों का म्यूजिक आपके उदास मन को खुशी से भर देगा। क्योंकि जब आप संगीत सुनते हैं तो आपके दिमाग में पॉजिटिव विचार आते हैं और दिमाग शांत रहता है।

साड़ी में हु-ब-हू दादी Sharmila लगीं Sara Ali Khan

बालको की महिला कर्मचारियों ने लिखी आत्मनिर्भर की गाथा

पुरूष प्रधान कार्य क्षेत्र में महिलाओं के लिए अवसर पैदा करना बड़ी बात

बालको की चोटिया माइंस में कार्यरत खनन इंजीनियर तपस्विनी प्रियदर्शनी ने कहा कि ओपन माइंस में कार्य करते मुझे काफी खुशी मिलती है। सुचारू लॉजिस्टिक्स सुनिश्चित करना और टर्नअराउंड समय की निगरानी करना मेरी जिम्मेदारियों के महत्वपूर्ण पहलू हैं। मैंने कंपनी में अपने जैसी महिलाओं के लिए एक सहायक और सशक्त कार्य संस्कृति को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता का अनुभव किया है। ऐसी कंपनी का हिस्सा बनना प्रेरणादायक है जो विविधता के महत्व को सर्वोपरी रखता है और पारंपरिक रूप से पुरुष-प्रधान क्षेत्रों में महिलाओं के लिए अवसर पैदा करने को प्राथमिकता दी है।

बालको सक्रिय रूप से महिलाओं को अवसर, विभिन्न कौशल और समर्थन के साथ सशक्त बना रहा है जो यह सुनिश्चित करता है कि वे बाधाओं को पीछे छोड़ महिलाओं के लिए प्रेरणा बनकर उभरें। वेदांता के दृष्टिकोण के अनुरूप, कंपनी ने महिलाओं की सुरक्षा, स्वास्थ्य और कल्याण और उनके विकास के लिए उपयुक्त वातावरण को बढ़ावा देने और कौशल वृद्धि सुनिश्चित करने हेतु विभिन्न पहल लागू की हैं।

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) महिला कर्मचारियों के योगदान और उपलब्धियों का सम्मान करता। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2024 थीम **निवेश महिलाओं में-** प्रगति को तेज करें के सपने को साकार करते हुए महिला कर्मचारियों ने अपने कौशल के माध्यम से बालको के उत्तरोत्तर प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री में जहां महिलाओं का प्रतिनिधित्व कम है, वहां बालको की ये महिलाएं इस अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बनकर उभरी हैं।

बालको में कार्यरत स्नातक प्रशिक्षु हिमांशी गुप्ता पॉटलाइन फ़ंक्शन में कार्य करती हैं, जो कंपनी के ऑपरेशन क्षेत्र में काम करने वाली कई महिला पेशेवरों में से एक हैं। ऑपरेशन क्षेत्र पुरुषों के लिए उपयुक्त है। इस धारणा को पीछे छोड़ती हिमांशी ने संगठन को मजबूत किया है। कई युवा लड़कियां और उनके माता-पिता मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री में करियर बनाने, शिक्षा और नौकरी की संभावनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करने में उत्सुकता व्यक्त करते हैं क्योंकि मैं उत्साहपूर्वक काम के प्रति अपने जुनून को साझा करती हूं।

बालको में मटेरियल्स इंजीनियर प्रीति शिखा नंदा ने धातुविज्ञान, अनुसंधान एवं विकास और उत्पाद गुणवत्ता में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि उत्पाद गुणवत्ता मूल्यांकन हमारे उत्पादों में उच्चतम मानकों को सुनिश्चित करने के साथ ही कास्टहाउस के संचालन प्रक्रियाओं के मानक में समय पर सुधार भी करते हैं। सामग्री के लिए मेरा जुनून लगातार इस भूमिका में मेरे उत्साह को बढ़ावा देता है, जहां हम सूक्ष्म परीक्षणों के माध्यम से एल्यूमीनियम इंगट्स और वायर रॉड जैसे उत्पादों की सावधानीपूर्वक जांच करते हैं।

अंजलि पवार भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) में क्वालिटी एश्योरेंस डिपार्टमेंट की हेड के रूप में कार्यरत हैं। अपना अनुभव साझा करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले पंद्रह वर्षों में मैंने वैश्विक बेंचमार्क हासिल करने के लिए हमारी प्रक्रियाओं और मानकों की प्रगति को साक्षी रही हूँ। उत्पाद के गुणवत्ता मानकों को बनाए रखने के साथ-साथ इसमें उत्कृष्टता और ग्राहक संतुष्टि की संस्कृति को बढ़ावा देना शामिल है। इस यात्रा का नेतृत्व करना मेरे लिए अविश्वसनीय रहा है। बालको प्रबंधन द्वारा मेरे कार्यों को मिली सराहना ने आत्मविश्वास बढ़ाने का काम किया। शैक्षणिक ज्ञान मेरे कार्य क्षेत्र में काफी सहायक रहा जिसने मेरे प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बालको में हेड-प्रोजेक्ट मैंनेजमेंट ऑफिसर के पद पर कार्यरत सुनीला एमवीएस बालको की विस्तार परियोजना की जिम्मेदारियों के साथ इंजीनियरों की एक टीम का मार्गदर्शन भी करती हैं जो उनके सहयोगी के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री के किसी भी स्तर पर महिला पेशेवरों को इंडस्ट्री में और अधिक महिलाओं को शामिल करने की वकालत करने की बात करता है। उद्योग भी तेजी से कौशल-उन्मुख होता जा रहा है जो टेक्नोलॉजी एकीकरण में सभी पेशेवरों के लिए समान अवसर प्रदान करता है।

जनता व कार्यकर्ताओं को उत्साह बता रहा कमल खिलने वाला है-सांसद सरोज

कहा-लोकसभा का एक-एक कार्यकर्ता स्वयं में प्रत्याशी

कोरबा/बैकुंठपुर (दिव्य आकाश)।

गुरुवार को कोरबा लोकसभा क्षेत्र के बैकुंठपुर जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित नगर मंडल की बैठक में भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं लोकसभा प्रत्याशी डॉ सरोज पांडेय ने 21 बूथ एवं 6 शक्ति केंद्र से आये कार्यकर्ताओं की परिचयात्मक एवं कामकाज के सम्बंध में बैठक ली। साथ में भाजपा के जिला अध्यक्ष कृष्ण बिहारी , जिला महामंत्री पंकज गुप्ता सहित पदाधिकारी व कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

राज्यसभा सांसद एवं कोरबा से भाजपा लोकसभा प्रत्याशी डॉ सरोज पांडेय ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने मुझे कोरबा का लोकसभा उम्मीदवार बनाकर भेजा है लेकिन इस चुनाव में लोकसभा क्षेत्र का एक-एक कार्यकर्ता स्वयं में एक प्रत्याशी के रूप में काम कर रहे हैं। मैं जहां-जहां जा रही हूं वहां कार्यकर्ताओं के बीच का उत्साह देखकर लग रहा है कि निश्चित रूप से लोकसभा में कमल करने जा रहा है।

सुश्री पांडेय ने कहा कि विगत 5 साल कोरबा लोकसभा ने ऐसे सांसद को देखा है जिसने चुनाव जीतने के बाद कभी क्षेत्र की ओर नजर नहीं डाली। आज हम गांव-गांव पहुंच रहे हैं तो जनता स्वयं कांग्रेस की सांसद को इस कार्यकाल में लापता बता रही है। उन्होंने विकास कार्य करना तो दूर क्षेत्र की जनता का सुख दुख भी नहीं बांटा। हमेशा केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रहित में लिए गए फैसले का सदन में विरोध करती रही।

पांडेय ने कहा कि पार्टी ने मुझ पर भरोसा जताया है तो मेरी जिम्मेदारी बनती है कि यहां के जनता के उम्मीदों पर खरा उतरूं। आपको पूर्ण विश्वास दिलाना चाहती हूं कि अगले कार्यकाल में आपका सांसद आपके लोकसभा क्षेत्र में रहकर आपकी समस्याओं को सुनकर केवल और केवल विकास के लिए काम करेगी।

इस दौरान विनोद साहू, जिला उपाध्यक्ष शैलेश तिवारी, लक्ष्मण राजवाड़े, जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा हितेष प्रताप सिंह, चिकित्सा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ राकेश शर्मा, मंडल अध्यक्ष कुंवर साहू, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष धर्मवती राजवाडे, जनपद अध्यक्ष सौभाग्यवती सिंह, सहित सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बालको नगर में घर घर मोदी की गारंटी एवं राज्य की योजनाएं बतायी गई

कोरबा, (दिव्य आकाश)।

छत्तीसगढ़ भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के आह्वान पर आज सभी मंडलों एवं बूथों में लाभार्थी संपर्क अभियान चलाया गया , जिसमें सभी पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने अपने अपने तय बूथों में हितग्राहियों से संपर्क किया। केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं एवं मोदी की गारंटी की जानकारी दी। लाभार्थी जनसंपर्क अभियान के प्रभारी नेता प्रतिपक्ष हितानंद अग्रवाल द्वारा कोरबा लोकसभा के सभी मंडलों में लाभार्थी संपर्क अभियान चलाए जाने की जानकारी दी। हितानंद अग्रवाल स्वयं बालको मंडल के निवासी हैं, वहां भी उनके द्वारा भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ बालको मंडल की बस्तियों में लाभार्थी संपर्क अभियान चलाया गया। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष हितानंद अग्रवाल के साथ मंडल अध्यक्ष महिला मोर्चा अर्चना रुणीझा, रिशु श्रीवास्तव, रमेश सोनी, धीरज झा, रेणु प्रसाद, मालती वर्मा, मंजू ठाकुर, मंजू कश्यप, दीपाली विश्वास, मीरा मिस्त्री, नूतन वर्मा, अनीता सोनी, उषा यादव, रंभा उपाध्याय, कंचन यादव एवं अन्य कार्यकर्ताओं द्वारा लोगों से संपर्क कर, मिस्ड कॉल करवा कर, उनका नाम, मोबाइल नंबर एवं उन्होंने क्या लाभ लिया है इसका विवरण एकत्रित किया गया। साथ ही उन्हें इस लोकसभा चुनाव में भाजपा के प्रत्याशी सरोज पांडे को मतदान कर विजयी बनाने आग्रह किया गया।

बालको में श्रमिकों के लिए शुरू हुई 05 रूपए में भरपेट भोजन की व्यवस्था

श्रम मंत्री देवांगन ने बालको में किया शहीद वीर नारायण सिंह श्रम अन्न योजना का शुभारंभ

बालको सीईओ राजेश कुमार ने योजना शुभारंभ के लिए सरकार का जताया आभार

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

श्रम, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री लखन लाल देवांगन ने आज कोरबा जिले के बाल्को में शहीद वीर नारायणसिंह श्रम अन्न योजना अंतर्गत निर्माण, संगठित एवं असंगठित वर्ग के श्रमिकों के लिए 05 रूपए में भरपेट भोजन की व्यवस्था हेतु दाल-भात केंद्र का शुभारंभ किया। उन्होंने स्वयं एवं बालको सीईओ राजेश कुमार ने श्रमिकों को भोजन परोसने के साथ उनके साथ बैठकर भोजन भी किया और श्रमिकों से अपील की कि वे इस दाल-भात केंद्र में भोजन अवश्य करें। श्रम मंत्री ने इस पहल को गरीब श्रमिकों के लिए लाभदायक बताते हुए श्रम विभाग अंतर्गत श्रमिकों और उनके परिवार के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि देश के विकास में श्रमिकों का बहुत बड़ा योगदान है। श्रमिकों ने सड़क, पुल-पुलिया, महल सहित अन्य बड़े-बड़े कार्य किए हैं।

उद्योग मंत्री होने के नाते उनकी भी कोशिश है कि प्रदेश में ज्यादा से ज्यादा उद्योग स्थापित हों और छत्तीसगढ़ के युवाओं को रोजगार मिले। दाल-भात केंद्र का शुभारंभ करते हुए मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि इस योजना को प्रारंभ करने के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने तत्काल सहमति दी और आज उनके प्रयास से गरीब मजदूरों को किफायती दर में भरपेट भोजन उपलब्ध होगा। श्रम मंत्री ने बताया कि उन्होंने भी गरीबी को बहुत ही करीब से देखा है, इसलिए वे श्रमिकों की आवश्यकताओं को भलीभांति समझ सकते हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में 21 स्थानों पर दाल-भात केंद्र प्रारंभ है। अन्य 22 स्थानों पर भी इसका संचालन किया जाएगा। कोरबा जिले में तीन स्थानों पर दाल-भात केंद्र का संचालन होगा। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि बहुत से श्रमिक भाई कार्य की वजह से हड़बड़ी में घर से खाना खाकर नहीं आ पाते, ऐसे में दाल-भात केंद्र के माध्यम से कम कीमत पर भोजन उनके लिए लाभदायक साबित होगा। मंत्री श्री देवांगन ने श्रमिकों को बताया कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय गरीबों और श्रमिकों के कल्याण के लिए सोचते हैं। उन्होंने गरीबों और जरूरतमंदों के लिए योजनाएं बनाई हैं। प्रदेश में महतारी वंदन योजना के माध्यम से सभी महिलाओं को साल के 12 हजार रूपए देने, किसानों को 3100 रूपए समर्थन मूल्य तथा तेंदूपत्ता संग्राहकों को 5500 रूपए मानक बोरा सहित अनेक योजनाओं के माध्यम से लाभान्वित करने का प्रयास किया जा रहा है। प्रधानमंत्री द्वारा कोरोना काल में गरीबों को मुफ्त चांवल भी दिया गया ताकि गरीब भूखे पेट न सोएं। इसी तरह प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना लागू की गई है। इनमें पंजीयन कराने वाले गरीब परिवारों को लोन देकर जीवन स्तर आगे बढ़ाने का काम किया जा रहा है। श्रम मंत्री ने श्रम विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी श्रमिकों को दी और उनका लाभ उठाने की अपील भी की।

बालको सीईओ ने सरकार का धन्यवाद ज्ञापित किया

कार्यक्रम में बाल्को के सीईओ राजेश कुमार ने दाल-भात केंद्र का शुभारंभ किए जाने पर छत्तीसगढ़ सरकार को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि यह सरकार श्रमिकों के योगदान और उनके कल्याण के विषय में सोचती है। देश को विकास की राह में आगे बढ़ाने में श्रमिकों का बड़ा योगदान है। बाल्को में लगभग 14 हजार श्रमिक हैं, जो अपने परिश्रम की बदौलत एल्यूमिनियम के उत्पादन में सहयोग दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम सब मिलजुल कर इस योजना को अच्छे से चलाएंगे और सभी श्रमिकों को भोजन उपलब्ध कराएंगे। कार्यक्रम को नेता प्रतिपक्ष हितानंद अग्रवाल ने भी संबोधित किया। इस दौरान पार्षद लुकेश्वर चौहान, नरेंद्र देवांगन, नर्मदा लहरे, ईश्वर साहू, नरेंद्र पाटनवार, प्रफुल्ल तिवारी, आकाश श्रीवास्तव सहित सहायक श्रम आयुक्त राजेश आदिले, बाल्को के अवतार सिंह, प्रज्ञा पाण्डेय तथा श्रमिक संगठन के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में श्रमिक उपस्थित थे।

कांग्रेसियों ने लिया ज्योत्सना को फिर जिताने का संकल्प

कोरबा, (दिव्य आकाश)।

कोरबा लोकसभा क्षेत्र से सांसद श्रीमती ज्योत्सना चरणदास महंत को फिर से कांग्रेस की प्रत्याशी बनाए जाने के बाद जिला कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेसियों की बैठक हुई, जिसमें कांग्रेसियों ने ज्योत्सना महंत को फिर से जिताने संकल्प लिया। इस अवसर पर श्रीमती महंत ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले 5 साल में कांग्रेस की सरकार थी और मेरे क्षेत्र में भी बेहतर काम हुए। हम अपने काम को लेकर जनता के पास जा रहे हैं। जनता जानती है कि कौन क्षेत्र में बेहतर काम कर सकता है। इस अवसर पर शहर अध्यक्ष सपना चौहान, महिला अध्यक्ष कुसुम द्विवेदी सहित कांग्रेसी उपस्थित थे।

बालको में विश्व महिला दिवस पर महिला कर्मचारियों का सम्मान

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

विश्व महिला दिवस के अवसर पर बालको ने एल्युमिना कैंटीन में महिला सम्मान समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कोरबा उपभोक्ता फोरम की अध्यक्ष सुश्री रंजना दत्ता उपस्थित थी। बालको की प्रमुख मानव संसाधन अधिकारी ने मुख्य अतिथि को पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया। बालको के सीईओ राजेश कुमार और मुख्य अतिथि की उपस्थिति में उत्कृष्ट योगदान के लिए बालको महिला कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि ने सभी के साथ अपनी सफल यात्रा का अनुभव साझा करते हुए कहा कि हम सभी को महिलाओं की उपलब्धियों और योगदान का जश्न मनाना चाहिए।

विश्व महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं के उल्लेखनीय कार्यों पर विचार साझा करते हुए मुख्य अतिथि सुश्री रंजना दत्ता ने कहा कि बालको में महिला कर्मचारियों का योगदान प्रशंसनीय है। महिला विकास और सशक्तिकरण से ही देश की प्रगति को दोगनी रफ्तार मिलेगी। एक सफल महिला की कहानी अन्य सभी महिलाओं के लिए प्रेरणादायी होती हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा महिलाओं के लिए चलाये गए विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी सभी महिलाओं तक पहुंचानी चाहिए। महिलाओं को अपने अधिकारों के विषय में जागरूक होना चाहिए। उन्होंने कहा कि संभावनाओं के समान अवसर पर महिलाएं खुद ही क्षमता का विकास कर सकती हैं।

श्रमिकों के साथ भोजन कर श्रम मंत्री ने श्रमिकों से की अपील

श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने बाल्को में दाल-भात केंद्र का शुभारंभ करने के साथ भोजन की गुणवत्ता को परखने तथा श्रमिकों का उत्साह वर्धन करने उनके साथ भोजन किया। उन्होंने भोजन भी परोसे। श्रम मंत्री ने एक साथ भोजन कर रहे श्रमिकों से अपील की कि वे बेझिझक इस केंद्र में आएं और निःसंकोच भरपेट खाना खाएं। उन्होंने श्रमिकों से भूखापेट रहकर काम नहीं करने तथा अन्य मजदूर साथियों को भी इस योजना का लाभ लेने सहयोग करने की अपील की।

चुनाव से पहले अमित शाह ने दिया दो टूक जवाब

सीएए कभी वापस नहीं लिया जाएगा

नई दिल्ली, एजेंसी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक इंटरव्यू में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के उस बयान पर बात की, जिसमें उन्होंने कहा था कि शरणार्थियों को नागरिकता देने से चोरी और बलात्कार बढ़ेंगे। इस पर उन्होंने कहा, भ्रष्टाचार उजागर होने के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अपना धैर्य खो बैठे हैं... उन्हें नहीं पता कि ये सभी लोग पहले ही भारत में आ चुके हैं और रह रहे हैं।

अगर उन्हें इतनी ही चिंता है तो बात क्यों नहीं करते बांग्लादेशी घुसपैठियों के बारे में या रोहिंग्याओं का विरोध? वह वोट बैंक की राजनीति कर रहे हैं... वह विभाजन की पृष्ठभूमि भूल गए हैं और उन्हें शरणार्थी परिवारों से मिलना चाहिए।

साथ ही एक्ट के लागू होने पर बोलते हुए अमित शाह ने कहा, अल्पसंख्यकों या किसी अन्य व्यक्ति को डरने की जरूरत नहीं है क्योंकि सीएए में किसी की नागरिकता छीनने का कोई प्रावधान नहीं है। शाह ने कहा, सीएए केवल अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से आए हिंदू, बौद्ध, जैन, सिख, ईसाई और पारसी शरणार्थियों को अधिकार और नागरिकता देने के लिए है।

विपक्ष के इस आरोप पर कि बीजेपी सीएए के जरिए नया वोट बैंक बना रही है, गृह मंत्री ने कहा, विपक्ष के पास कोई और काम नहीं है, वो जो कहते हैं वो कभी करते नहीं। उन्होंने यह भी कहा कि अनुच्छेद 370 को हटाना भी हमारे राजनीतिक फायदे के लिए था। हम 1950 से कह रहे हैं कि हम अनुच्छेद 370 को हटा देंगे।

मीटिंग के बाद बोले अधीर रंजन चौधरी और किया दावा

सुखबीर सिंह संधु और ज्ञानेश कुमार बने चुनाव आयुक्त

नई दिल्ली, एजेंसी।

निर्वाचन आयोग में निर्वाचन आयुक्तों की दो रिक्तियों को भरने के लिए बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली उच्चाधिकार प्राप्त समिति की बैठक में पूर्व नौकरशाहों ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधु के नामों को अंतिम रूप दिया गया। समिति के सदस्य व लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने बैठक के बाद संवाददाताओं से बातचीत में यह दावा किया।

समिति ने सुझाए थे छह नाम

अधीर रंजन चौधरी ने कहा, ''चयन समिति ने छह नाम प्रस्तुत किए थे। इनमें उत्पल कुमार सिंह, प्रदीप कुमार त्रिपाठी, ज्ञानेश कुमार, इंदीवर पांडे, सुखबीर सिंह संधु और गंगाधर राहत के नाम शामिल थे। ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधु का चयन निर्वाचन आयुक्त के रूप में किया गया है।%% प्रधानमंत्री के नेतृत्व में उच्चाधिकार प्राप्त समिति ने दो नामों को अंतिम रूप देने के लिए बृहस्पतिवार को बैठक की। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और चौधरी भी समिति की बैठक में मौजूद थे।

राष्ट्रपति करेंगी सदस्यों की नियुक्ति

चौधरी ने कहा कि भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) को चुनाव आयुक्तों की चयन समिति का हिस्सा होना चाहिए था। चयन समिति की सिफारिश के आधार पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू निर्वाचन आयोग के दो सदस्यों की नियुक्ति करेंगी। एक बार नियुक्तियां अधिसूचित हो जाने के बाद नए कानून के तहत की जाने वाली ये पहली नियुक्तियां होंगी। इससे पहले, केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल की अध्यक्षता में गठित सर्च कमेटी ने इन रिक्तियों को भरने के लिए बुधवार को छह उम्मीदवारों की एक सूची तैयार की थी। कानून तीन-सदस्यीय चयन समिति को ऐसे व्यक्ति को नियुक्त करने की शक्ति भी देता है जिसे चयन समिति ने 'शॉर्टलिस्ट नहीं किया है।

आठ मार्च को गोयल ने दिया था इस्तीफा अनूप चंद्र पांडे की 14 फरवरी को सेवानिवृत्ति और आठ मार्च को अरुण गोयल के अचानक इस्तीफे से दोनों रिक्तियां पैदा हुईं। गोयल का इस्तीफा नौ मार्च को अधिसूचित किया गया था। रिक्तियों के कारण निर्वाचन आयोग में अभी केवल मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार हैं। मुख्य निर्वाचन आयुक्त और निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति पर नया कानून हाल में लागू होने से पहले, निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति सरकार की सिफारिश पर राष्ट्रपति द्वारा की जाती थी और परंपरा के अनुसार, सबसे वरिष्ठ को मुख्य निर्वाचन आयुक्त के रूप में नियुक्त किया जाता था।

सुप्रीम कोर्ट बोला-लिखकर दें शरद का फोटो इस्तेमाल नहीं करेंगे,अजित पवार गुट से कहा- अब आप अलग पार्टी हैं, अपनी पहचान भी बनाएं

नई दिल्ली, एजेंसी।

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार (14 मार्च) को महाराष्ट्र सरकार में डिप्टी ष्टरू अजित पवार गुट को फटकार लगाई। कोर्ट शरद पवार गुट की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें कहा गया है कि अजित गुट राजनीतिक फायदे के लिए उनके नाम और तस्वीरों का इस्तेमाल कर रहा है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने अजित पवार गुट से शनिवार तक अपना जवाब दाखिल करने को कहा है। बेंच ने अजित गुट से बिना शर्त लिखित गारंटी देने का आदेश दिया है कि वे शरद पवार की तस्वीर का इस्तेमाल नहीं करेंगे। अगली सुनवाई 19 मार्च को होगी।

कोर्ट ने पूछा- आप प्रमोशन के लिए उनकी फोटो का इस्तेमाल क्यों करते हैं

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा- अब आप एक अलग पार्टी हैं। आपने शरद पवार के साथ नहीं रहने का फैसला किया है, तो आप प्रचार के लिए उनकी फोटो क्यों इस्तेमाल करते हैं? अब अपनी पहचान भी बनाएं। अदालत ने अजीत पवार समूह को चुनाव चिन्ह के रूप में किसी अन्य प्रतीक का उपयोग करने और नई विचारधारा के आधार पर चुनाव लड़ने का भी निर्देश दिया।

कांग्रेस बोली-केंद्र का एकमात्र मकसद वन नेशन, नो इलेक्शन

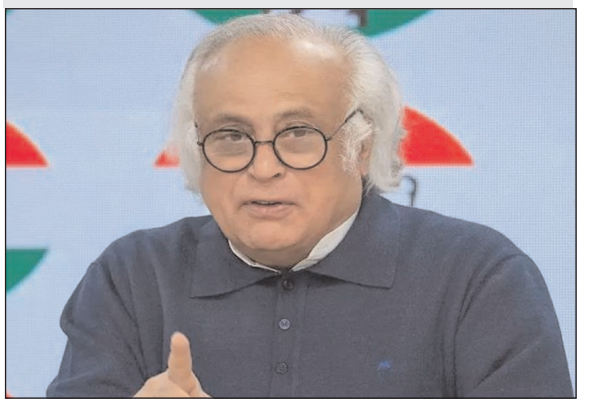

नई दिल्ली, एजेंसी।

कांग्रेस ने देश में एक साथ चुनाव कराए जाने से संबंधित समिति की रिपोर्ट राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंपे जाने के बाद बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि सरकार का मकसद सिर्फ 'वन नेशन, नो इलेक्शन (एक राष्ट्र, कोई चुनाव नहीं) का है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार संविधान को पूरी तरह से नष्ट करना चाहती है।

राष्ट्रपति को सौंपी रिपोर्ट

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली एक उच्च-स्तरीय समिति ने पहले कदम के तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराने की तथा इसके बाद 100 दिनों के भीतर एक साथ स्थानीय निकाय चुनाव कराने की बृहस्पतिवार को सिफारिश की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंपी गई 18000 से ज्यादा पन्नों की रिपोर्ट में कोविंद की अगुवाई वाली समिति ने कहा है कि एक साथ चुनाव कराए जाने से विकास प्रक्रिया और सामाजिक एकजुटता को बढ़ावा मिलेगा, लोकतांत्रिक परंपरा की नींव गहरी होगी और इंडिया, जो कि भारत है की आकांक्षाओं को साकार करने में मदद मिलेगी।

संविधान को नष्ट करना चाहती है सरकार

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने नासिक में कहा, ''प्रधानमंत्री का उद्देश्य बहुत स्पष्ट है। वह, स्पष्ट बहुमत, दो-तिहाई बहुमत, 400 सीट की मांग कर रहे हैं... वे बाबासाहेब आंबेडकर द्वारा तैयार किए गए संविधान को पूरी तरह से नष्ट करना चाहते हैं। जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि सरकार का मकसद 'एक राष्ट्र, कोई चुनाव नहीं है। भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता नलिन कोहली ने कहा कि यह कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं है और इसका उद्देश्य धन और अन्य संसाधनों को बचाना है।

खाने के बिल को लेकर पंजाब ढाबे पर सेना के मेजर और 16 जवानों पर हमला, मालिक गिरफ्तार

चंडीगढ़, एजेंसी।

पंजाब के मनाली-रोपड़ रोड पर एक ढाबे के मालिक और कर्मचारियों ने सेना के एक मेजर और उनके 16 जवानों की टीम पर जानलेवा हमला किया। इस घटना में मेजर और कुछ जवान गंभीर रुप से घायल हो गए हैं। पुलिस ने भोजनालय के मालिक और प्रबंधक सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है और हमले में शामिल अन्य लोगों की तलाश कर रही है।

मनाली से लौट रहे थे जवान

बता दें कि, यह घटना सोमवार को भरतगढ़ के पास हुई जब लद्दाख स्काउट्स के मेजर सचिन सिंह कुंतल और उनके सैनिक पिछले दिन लाहौल में आयोजित स्नो मैराथन जीतकर हिमाचल प्रदेश के मनाली से लौट रहे थे। एफआईआर में कहा गया है कि सैनिकों और ढाबा मालिक के बीच बिल भुगतान के तरीके को लेकर विवाद पैदा हो गया, क्योंकि उन्होंने यूपीआई के माध्यम से भुगतान स्वीकार नहीं किया और कर से बचने के लिए नकद भुगतान पर जोर दिया।

बिल भुगतान को लेकर हुई काहासुनी

बहस जारी रहने और सैनिकों द्वारा बिल का ऑनलाइन भुगतान करने के बाद भी, मालिक ने नकद भुगतान पर जोर दिया और जब मेजर ने इनकार किया, तो लगभग 30-35 लोगों के एक समूह ने अधिकारी और उनके लोगों पर हमला कर दिया। उन्हें मुक्का मारा गया और लाठियों और लोहे की छड़ों से पीटा गया। मेजर के हाथ और सिर पर चोटें आईं और वह बेहोश हो गए, जिसके बाद हमलावर मौके से भाग गए।

स्टाइलिश और आलीशान जिंदगी जीती हैं तारक मेहता का उल्टा चश्मा स्टार मुनमुन दत्ता, करोड़ों में है नेट वर्थ

मुंबई, एजेंसी।

अभिनेत्री मुनमुन दत्ता भारतीय टेलीविजन उद्योग के सबसे प्रसिद्ध चेहरों में से एक हैं, जिसका श्रेय तारक मेहता का उल्टा चश्मा को जाता है। 36 वर्षीया लोकप्रिय शो में बबीता कृष्णन अय्यर के किरदार से प्रसिद्धि पाईं और अब दुनिया भर में उनके बहुत बड़े प्रशंसक हैं।

आपको जानकर हैरानी होगी कि असल में भी मुनमुन अपने ऑन-स्क्रीन किरदार की तरह ही उतनी ही स्टाइलिश और आलीशान जिंदगी जीती हैं। उनके जीने का हाई-एंड तरीका उनके सोशल मीडिया पोस्ट्स में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।

मुनमुन दत्ता नेट वर्थ

पत्रिका डॉट कॉम की रिपोर्ट के मुताबिक, मुनमुन तारक मेहता का उल्टा चश्मा के एक एपिसोड के लिए 50,000 से 75,000 रुपये तक चार्ज करती हैं। ऐसे दावों की मानें तो वह हर महीने लाखों रुपए कमाती हैं। ऐसा भी कहा जा रहा है कि मुनमुन की कुल संपत्ति करीब 30 करोड़ रुपये है. हिट सीरीज़ के अलावा, वह इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफ़ॉर्म से भी पैसा कमाती हैं।

मुनमुन दत्ता की सगाई की अफवाहें

हाल ही में, तारक मेहता का उल्टा चश्मा में टिपेंद्र जेठालाल गड़ा उर्फ टपू का किरदार निभाने वाले राज अनादकट के साथ मुनमुन की सगाई के बारे में खबरें ऑनलाइन प्रसारित होने लगीं। कुछ ही समय में, ऐसी चर्चाओं ने इंटरनेट पर लोकप्रियता हासिल कर ली, जिससे उनके प्रशंसक उत्साहित हो गए।

हालांकि, बाद में पता चला कि यह खबर पूरी तरह झूठी थी। सभी को नमस्कार, चीजों को स्पष्ट करने के लिए, सोशल मीडिया पर आप जो खबरें देख रहे हैं वह झूठी और निराधार है। टीम राज अनादकट, उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट किया। ऐसा माना जाता है कि मुनमुन और राज सालों से डेट कर रहे हैं। लेकिन, उन्होंने हमेशा अपने रिश्ते से इनकार किया है।

राम मंदिर ने श्रद्धालुओं के लिए बनाए नए नियम, दर्शन समय, एंट्री और भक्तों के लिए जारी किए दिशा निर्देश

अयोध्या, एजेंसी।

श्री राम जन्मभूमि मंदिर आने वाले श्रद्धालु अब सुबह 6.30 बजे से 9.30 बजे तक दर्शन के लिए मंदिर में प्रवेश कर सकते हैं. श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ने इस घोषणा को अपने आधिकारिक एक्स (ट्विटर) हैंडल पर लिया। यह भी लिखा कि राम मंदिर में रोजाना औसतन 1 से 1.5 लाख श्रद्धालु आ रहे हैं। राम मंदिर ने मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए नियम भी तय किए हैं. राम मंदिर का उद्घाटन 22 जनवरी, 2024 को हुआ था और तब से, भक्तों का एक समूह मंदिर में आ रहा है। इस लेख में, आइए नियमों में बदलाव, दर्शन समय, प्रवेश पास और अन्य विवरण जानें।

श्री राम जन्मभूमि मंदिर आने वाले सभी भक्तों के ध्यानार्थ-

श्री राम जन्मभूमि मंदिर में प्रतिदिन औसतन 1 से 1.5 लाख तीर्थयात्री आ रहे हैं।

श्रद्धालु सुबह 6.30 बजे से रात 9.30 बजे तक श्री राम जन्मभूमि मंदिर में दर्शन के लिए प्रवेश कर सकते हैं।

राम मंदिर अयोध्या- दिशा निर्देश

राम मंदिर आने वाले भक्तों को उनकी सुविधा और समय बचाने के लिए अपने मोबाइल फोन, जूते, पर्स आदि मंदिर परिसर के बाहर छोड़ने की सलाह दी जाती है। अधिकारियों ने भक्तों से श्री राम जन्मभूमि मंदिर में फूल, माला या प्रसाद नहीं लाने के लिए भी कहा है।

श्री राम मंदिर- दर्शन का समय

अगर आप राम मंदिर जाने का प्लान बना रहे हैं तो श्री राम जन्मभूमि मंदिर दर्शन का समय सुबह 6.30 बजे से रात 9.30 बजे तक है। प्रवेश से निकास तक, राम मंदिर में दर्शन सरल और आसान है। भक्त 60 से 75 मिनट के अंदर रामलला के सुगम दर्शन कर सकेंगे

खालिस्तानी निज्जर की हत्या का सामने आया वीडियो, अब केंद्र सरकार ने लिया ये बड़ा एक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी।

खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का वीडियो सामने आने के बाद केंद्र ने वीडियो स्ट्रीमिंग साइट यूट्यूब से इस पर रोक लगाने के लिए कहा है। जिसके बाद साइट ने भारत में वीडियो को ब्लॉक कर दिया है। बता दें कि हाल ही में हरदीप सिंह निज्जर की घातक हत्या के वीडियो को सीबीसी द्वारा अपलोड किया गया था।

कनाडा के प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा नई दिल्ली पर निज्जर की हत्या में शामिल होने का आरोप लगाने के बाद 2023 से भारत और कनाडा के बीच संबंध खराब हो गए हैं। यहां यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि भारत ने 2020 में निज्जर को भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के कारण आतंकवादी घोषित कर दिया था। ट्रूडो के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए भारत ने इसे प्रेरित और बेतुका करार दिया था

निज्जर की हत्या सुपारी हत्यारों ने की थी

कथित तौर पर निज्जर की 18 जून, 2023 को संविदा हत्यारों द्वारा हत्या कर दी गई थी, जब वह ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में एक गुरुद्वारे से बाहर आ रहा था। कनाडा ने हाल ही में खालिस्तानी चरमपंथी की हत्या का सीसीटीवी फुटेज जारी किया था। इसके तुरंत बाद फुटेज पहली बार कनाडा में प्रसारित किया गया।

महत्वपूर्ण बात यह है कि कनाडा की इंटीग्रेटेड होमिसाइड इन्वेस्टिगेशन टीम (IHIT) निज्जर के मामले को संभाल रही है। एक स्थानीय समाचार चैनल के अनुसार, ट्रूडो के नेतृत्व वाली सरकार कथित तौर पर निराश है क्योंकि मामले में अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। हत्या के एक महीने बाद, कनाडा में संघीय जांच एजेंसी ने खुलासा किया कि एक व्यक्ति, जो एक भगदड़ वाहन का चालक था, कथित तौर पर अपराध में शामिल था।

न्यूजीलैंड भी कनाडा के आरोपों पर संदेह व्यक्त करता है

न्यूजीलैंड ने भी कनाडा के इन आरोपों पर संदेह जताया है कि हत्या के पीछे भारत का हाथ है। बुधवार को अपनी भारत यात्रा के दौरान देश के उपप्रधानमंत्री विंस्टन पीटर्स ने पिछले साल गुरुद्वारे के बाहर खालिस्तानी चरमपंथी की हत्या के संबंध में कनाडा द्वारा उपलब्ध कराए गए सबूतों की कमी पर सवाल उठाया।

तमिलनाडु के मंत्री ने पीएम को मारने की धमकी दी,बोले- मैं मंत्री नहीं होता, तो उसको टुकड़ों में फाड़ देता, दिल्ली में एफआईआर

नई दिल्ली, एजेंसी।

तमिलनाडु के मंत्री टी.एम. अनबरसन का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें वो पीएम मोदी के खिलाफ विवादित बयान दे रहे हैं। इसमें वो कह रहे हैं कि मैंने अभी शांति रखी हुई है, क्योंकि मैं एक मंत्री हूं। मैं मंत्री न होता तो उसको (पीएम मोदी) टुकड़ों में फाड़ देता।

उनका यह बयान पिछले हफ्ते का बताया जा रहा है। अनबरसन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट के एक वकील ने संसद मार्ग पुलिस स्टेशन में केस दर्ज कराया है। टी.एम. अनबरसन तमिलनाडु में एमके स्टालिन की अगुआई वाली डीएमके - कांग्रेस गठबंधन सरकार में ग्रामीण उद्योग मंत्री हैं।

अनबरसन बोले- मंत्री न होता तो दूसरा तरीका अपनाता

वायरल वीडियो में अनबरसन कह रहे हैं कि हमारे कई प्रधानमंत्री हुए, कोई ऐसे नहीं बोलता था। मोदी हमें मिटाने की बात करता है, लेकिन मैं एक बात याद दिला दूं कि डीएमके कोई सामान्य संगठन नहीं है। यह कई बलिदानों और बहुत खून बहने के बाद बना है।

जिन लोगों ने डीएमके को खत्म करने की बात की, उनका ही विनाश हो गया। यह संगठन बना रहेगा, ये बात दिमाग में रखना। मैं उससे (पीएम मोदी) अलग तरीके से निपटता। अभी मैं चुप हूं, क्योंकि मैं एक मंत्री हूं। अगर मैं मंत्री न होता, तो उसके साथ दूसरा ही तरीका अपनाता।

टी.एम. अनबरसन तमिलनाडु की एमके स्टालिन की अगुआई वाली डीएमके - कांग्रेस गठबंधन सरकार में ग्रामीण उद्योग मंत्री हैं।

भाजपा बोली- इस बयान से इंडि गठबंधन का एजेंडा स्पष्ट होता है

भाजपा के आईटी सेल के चीफ अमित मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लिखा कि INDI गठबंधन का एजेंडा इससे ज्यादा स्पष्ट नहीं हो सकता। उनका लक्ष्य सनातन धर्म और इसको मानने वालों का विनाश करना है। वहीं, भाजपा के राष्ट्रीय सचिव सत्य कुमार यादव ने कहा कि INDI गठबंधन का एक बार और छिछला स्तर। INDI गठबंधन लोकसभा परिणाम जानता है इसीलिए पीएम मोदी को गालियां दे रहे हैं।

सोनिया गांधी से मिले बसपा से निलंबित सांसद दानिश अली, अमरोहा से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ने के कयास

नई दिल्ली, एजेंसी।

बहुजन समाज पार्टी से निलंबित किए गए लोकसभा सांसद दानिश अली ने गुरुवार (14 मार्च) को दिल्ली में पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दानिश कांग्रेस के टिकट पर अमरोहा लोकसभा सीट से चुनाव लड़ते नजर आ सकते हैं।

अली ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, अमरोहा से मेरे दूसरे लोकसभा चुनाव के लिए बलिदान की प्रतीक श्रीमती सोनिया गांधी का आशीर्वाद पाकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। उनका दिल भारत के गरीबों के लिए धड़कता है।

नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः । न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः ।।

26वीं पुण्यतिथि

स्व. श्री छोटेलाल जी अग्रवाल

निर्वाण : 15 मार्च 1998

26 वर्ष पूर्व आज ही के दिन 15 मार्च 1998 को आपका नश्वर शरीर ईहलोक छोड़कर स्वर्गारोहण कर आप अनंत यात्रा पर चले गए। यद्यपि आप आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन आपका संघर्ष और कड़ी मेहनत करने की सीख और पुरूषार्थ से अर्थ अर्जित करने की प्रेरणा और जन सेवा का दिया हुआ अनमोल उपहार हमारी धरोहर है।

जीवन के हर मोड़ पर हमें आपकी याद आती है और आपके द्वारा बताए गए आदर्श हमें संबल प्रदान करता है।

आज आपकी 26वीं पुण्यतिथि पर पुण्य स्मरण करते हुए आपके श्रीचरणों में हमारा शत् शत् नमन एवं भावपूर्ण श्रद्धांजलि

संघर्षों में जीना सिखाया, यही हमारा आदर्श और आपकी प्रेरणा हमारा संबल है...

शोकाकुल

दिनेश, विकास, पंकज, आशीष,
रवि, विपुल, सारांश, समर्थ,
तनिष्क, लक्ष्य, गौरव, अर्जुन

ॐ शांति

समस्त मातनहेलिया परिवार

विनीत

राजबीर प्रसाद अग्रवाल
राजकुमार अग्रवाल
भगवान दास अग्रवाल

फर्म :

- सर्वमंगला कंस्ट्रक्शन कम्पनी कोरबा, सारांश गैस सर्विसेस कोरबा
- आद्या फ्युल्स, छत्तीसगढ़ फूड प्रोडक्ट्स, लखनपुर रोड सुतर्रा (कोरबा)
- नितेश कुमार मेमोरियल लायंस पब्लिक स्कूल खरहरकुड़ा (मड़वारानी) मो.: 9826670261
- लायंस गुरूकुल महाविद्यालय खरहरकुड़ा (मड़वारानी)
- सर्वमंगला मल्टी इन्फ्रा प्रा.लि.
- मे. आर.बी. ट्रेडर्स, मे. छत्तीसगढ़ सेल्स कॉर्पोरेशन कोरबा (छ.ग.)

स्वामी , प्रकाशक ,मुद्रक युधिष्ठिर राजवाड़े द्वारा आकाश आफसेट टीपी नगर कोरबा से मुद्रित कर प्रेस क्लब भवन के सामने रिकाण्डो रोड कोरबा से प्रकाशित संपादक युधिष्ठिर राजवाड़े मो.नं.-98266-47851 आरएनआई नंबर CHHHIN/2010/47078 Email :-divyaakash.news@gmail.com